INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-60 | मथुरा, रविवार, 26 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

आरएस गैस्ट हाउस पर पुलिस का छापा

देहव्यापार में संलिप्त चार युवतियां और तीन युवक गिरफ्तार

पुलिस की हिरासत में तीनआरोपी।

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक गैस्टहाउस पर छापेमारी करके देह व्यापार में लिप्त चार युवतियों और तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गैस्टहाउस ऐसी लोकेशन में है जहां कालेज और कई कोचिंग सेंटर हैं। पुलिस की छापेमारी से इलाके के लोगों में तरह–तरह की चर्चाएं हैं।

शहर में देह व्यापार का धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस धंधे से जुड़े लोग पुलिस की छापेमारी के बाद कुछ समय इस धंधे को बंद कर देते हैं। पुलिस की गतिविधियां ढीली पड़ने के बाद मौका पाकर लोग फिर से धंधा शुरू कर देते हैं। कोतवाली पुलिस ने अभी कुछ दिन पूर्व डेंपियरनगर में चल रहे देह व्यापार के एक रैकेट पर छापा मारकर कई युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद शहर के अन्य हिस्सों में चलने वाले देह व्यापार को उनके संचालकों ने बंद कर दिया था,

स्टूडेंट बाहुल्य क्षेत्र में चल रहा था शर्मनाक कारोबार

पुलिस रेड से खुला देह व्यापार का नेटवर्क इलाके में सनसनी

पुलिस की ढील के बाद इस धंधे से जुड़े लोगों ने अपना काम फिर से शुरू कर दिया। इस बारे में सीओ सिटी आशना चौधरी को देहव्यापार रैकेट के संचालन की सूचना मिली। सीओ सिटी ने इसके लिए पुलिस की टीम बनाकर आज छापेमारी की कार्रवाई की। पुलिस ने बीएसए कॉलेज रोड पर आरएस गैस्टहाउस पर छापा मारकर वहां से चार युवतियों और तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा छापेमारी की कार्रवाई को देख काफी संख्या में लोग गैस्टहाउस के नजदीक एकत्रित हो गए। आरएस गैस्टहाउस में देहव्यापार में गिरफ्तार अभियुक्तों में योगेश निवासी गांव ऊमरी रामपुर थाना मगोर्रा, राजेश कुमार निवासी गांव नगला चांद थाना सादाबाद हाथरस व अर्जुन निवासी कुम्हेर भरतपुर राजस्थान के अलावा चार युवतियां हैं।

शहर में पहले भी तीन देहव्यापार सेंटरों पर पड़ चुके हैं छापे

यूनिक समय, मथुरा। शहर में और ग्रामीण इलाकों में देहव्यापार का चल रहा धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस तरह का धंधा करने वाले लोगों को इलाका पुलिस का भी सहयोग अवश्य होता है। देखने में आया है कि छापेमारी के दौरान स्थानीय पुलिस को अधिकारी इसकी भनक तक नहीं लगने देते हैं। छापा मारने के बाद वहां की पुलिस को जरूर बुलाया जाता है। वहीं पुलिस छापेमारी के दौरान युवक-युवतियों को गिरफ्तार करने के बाद मामले की इतिश्री कर देती है। पुलिस के हाथ धंधा करने वालों तक क्यों नहीं पहुंच पाते, यह एक सवाल नागरिकों के जहन में बना हुआ है। छाता में होटल में चलने वाले देहव्यापार रैकेट के मुख्य सरगना को पुलिस अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं कर सकी है?

देहव्यापार की शहर में जड़ें हैं काफी मजबूत

यूनिक समय, मथुरा। शहर में देहव्यापार की जड़ें कितनी मजबूत हैं। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है। चंद महीनों के अंदर पुलिस की छापेमारी में कृष्णा नगर इलाके में दो सैक्स रैकेटों पर छापा मारकर वहां से कई युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही डेंपियर नगर में भी इस तरह के एक रैकेट पर पुलिस ने छापेमारी की थी। इसके बाद भी शहर में बीएसए रोड पर आरएस गैस्ट हाउस पर इस तरह का धंधा बेखौफ चल रहा था। हलांकि पुलिस ने यहां से सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार युवतियां शामिल हैं।

बच्चे विदेश में सेट और माता–पिता भारत में अपसेट

प्रमुख संवाददाता

मथुरा और वृंदावन में रहते हैं ऐसे कई सीनियर सिटीजन

हर किसी की अपनी दर्दभरी कहानी

यूनिक समय, मथुरा। पैसे कमाने की भूख ने रिश्ते ही बदल डाले। बचपन में बच्चे आया की गोद में न जाने कब बड़े हो गए और शिक्षित हो गए विदेश में सेट हो गए, लेकिन माता–पिता भारत में अपसेट हो गए।

प्रो. (डॉ.) अर्चना प्रिय आर्य ने एक नहीं बल्कि कई माता–पिता के दर्द को अपनी वाणी में बयां किया, वहीं कई बुजुर्गों की आंखें आंसुओं से छलछलाती नजर आयीं। उन्होंने अपनी वाणी से स्मरण सुनाए, आया की गोद में पले बच्चे नहीं जानेंगे कि मां की ममता क्या होती है? जब बच्चों के निर्माण का समय था तब हमने उनको आया की गोद में सौंप दिया। जब बच्चों को संस्कारित करने का समय था तब माता पिता पर समय नहीं था और आज माता पिता के लिए बच्चों पर समय नहीं है।

आज परिवारों में माता पिता दुःखी और परेशान हैं। जो मां संतान के लिए सब कुछ करती है आज समाज में परेशान सबसे ज्यादा वही देवी है। आज माता पिता की सेवा के लिए संतान के पास समय ही नहीं है। दौलत की भूख ऐसी लगी कमाने निकल गए। जब दौलत मिली तो हाथ से रिश्ते निकल गए। बच्चों के साथ रहने की फुर्सत न मिल सकी, जब फुर्सत मिली तो बच्चे कमाने निकल गए। उदाहरण के तौर में देखें तो मथुरा और वृंदावन में रहने वाले कई सीनियर सिटीजन माता–पिता अपने अच्छे खासे मकान में अकेले रहते हैं। पूछो तो बताते हैं कि संतान में विदेश में है। यहां उनका दुख दर्द पूछने वाला कोई नहीं है। बस भगवान भरोसे जिंदगी कट रही है। वृंदावन के आश्रम में कई शिक्षित वृद्ध महिला रह रही हैं। हर किसी की अलग कहानी है। उनके बच्चे भी है, लेकिन वह उनकी आंखों से दूर हैं।

लापरवाही : कोसीकलां के अवर अभियंता आमोद आनंद निलंबित

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां में विद्युत विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवर अभियंता आमोद आनंद को उनके कार्यों में घोर लापरवाही और उदासीनता बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। अधिशासी अभियंता की रिपोर्ट के अनुसार 33/11 केवी उपकेंद्र कोसी टाउन में तैनात आमोद आनंद ने अपने क्षेत्र के बिजली ट्रांसफार्मरों के रख–रखाव में भारी कोताही बरती जिसमें मुख्य रूप से उचित क्षमता के फ्यूज न लगाना और लोड बैलेंसिंग न करना शामिल रहा। इसी लापरवाही के चलते अप्रैल माह में लाइफ लाइन हॉस्पिटल और नगर पालिका क्षेत्र के ट्रांसफार्मर बार–बार क्षतिग्रस्त हुए जिससे विभाग को भारी आर्थिक क्षति पहुंची।

जांच में उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली के नियमों का उल्लंघन करने और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने का प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। इस निलंबन आदेश के साथ ही उन्हें विद्युत वितरण खंड कोसी के कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

सावधान | **शहरों में शोर बना गंभीर स्वास्थ्य संकट**

ट्रैफिक और हॉर्न से बढ़ता शोर बना बड़ा खतरा

यूनिक समय, मथुरा। शहरों में बढ़ता शोर अब सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि एक बड़ा स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। भारत में छह करोड़ से अधिक लोग सुनने की क्षमता खो चुके हैं और इसके पीछे एक बड़ी वजह लगातार बढ़ता ट्रैफिक शोर और अनावश्यक हॉर्न का इस्तेमाल है।

दिल्ली के चांदनी चौक की तंग गलियों में स्थित एक छोटी सी दुकान 'डायमंड हॉर्न पैलेस' इस समस्या की तस्वीर पेश करती है। दुकान के मालिक मुस्तफा अहमद बताते हैं कि लोग महंगी गाड़ियां खरीदने के बाद भी तेज और डराने वाले हॉर्न लगवाने आते हैं। उनके मुताबिक, लोगों को ऐसा हॉर्न चाहिए जिसकी आवाज सुनकर सामने वाला सहम जाए। यह मानसिकता ही शोर प्रदूषण को बढ़ावा दे रही है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय शहर दुनिया के सबसे शोरगुल वाले शहरों में शामिल हैं। हॉर्न अब चेतावनी का साधन नहीं रहा, बल्कि संचार का माध्यम बन गया है। लोग मुड़ने, रास्ता मांगने या अपनी मौजूदगी जताने के लिए लगातार हॉर्न का प्रयोग करते हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए कई देशों ने सख्त और तकनीकी उपाय अपनाए हैं। चीन ने साउंड बैरियर और शोर कम करने वाली सड़कें विकसित की हैं, जबकि वियतनाम में सेंसर और ऐप के जरिए हॉर्न उपयोग पर नजर रखी जाती है। कम हॉर्न बजाने वालों को बीमा में छूट भी दी जाती है। पेरिस में 'नॉइज रडार' तेज आवाज वाले वाहनों का चालान करता है और नीदरलैंड्स में विशेष सड़कें शोर को 3–5 डेसिबल तक कम करती हैं।

एक अध्ययन के अनुसार, ट्रैफिक शोर में पांच डेसिबल की वृद्धि बच्चों की याददाश्त के विकास को 11 प्रतिशत तक धीमा कर सकती है। मिजोरम की राजधानी आइजोल देश का इकलौता 'नो–हॉन्किंग' शहर है, जहां लोगों की जागरूकता से यह संभव हुआ है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो शोर प्रदूषण आने वाले समय में और गंभीर स्वास्थ्य संकट बन सकता है।

देश में छह करोड़ लोग खो चुके हैं सुनने की क्षमता

बच्चों की याददाश्त पर असर, दुनिया में अपनाए जा रहे उपाय

जागरूकता से ही मिलेगा समाधान

दूल्हा की बहन के कारण रिश्ता टूटा दुल्हन के बिना बारात लौट गई

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। राया रोड पर स्थित एक मैरिज होम में दूल्हा की बहन की एक मांग ने ऐसा खलल डाला कि विवाद के बाद रिश्ता ही टूट गया। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात एक मैरिज होम में विवाह की तैयारी पूरी थी। दुल्हन के परिजन मांट क्षेत्र के थे। बरात लक्ष्मी नगर से आई थी। मैरिज होम में बरात के पहुंचने पर दुल्हन पक्ष की ओर से स्वागत किया गया। दावत के बाद स्टेज पर दूल्हा–दुल्हन बैठे थे। फोटोशूट चल रहा था। तभी दूल्हे की बहन ने होटल में अपने लिए कमरे की मांग की। कमरे की बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। दूल्हे की बहन नाराज होकर अपने पति के साथ लक्ष्मी नगर चली गई। इससे दूल्हा नाराज हो गया। कहने लगा कि वह अपनी बहन और बहनोई के बगैर फेरे नहीं लेगा। विवाद बढ़ने पर पुलिस भी आ गई। शनिवार आधी रात से शुरू हुआ विवाद रविवार की सुबह चार बजे तक जारी रहा। इसके बाद पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले आई। कई घंटे तक दोनों पक्षों में वार्ता चली। दोनों पक्षों ने रविवार की सुबह पुलिस की मौजूदगी में एक दूसरे के शादी में खर्च हुए रुपये का लेन–देन कर रिश्ते को खत्म कर दिया। इसके बाद बरात बिना दुल्हन के लौट गई।

गर्मी की छुट्टियों में ट्रेनों की वेटिंग ने बढ़ाई टेंशन

बढ़ती भीड़ से कन्फर्म टिकट मिलना हुआ मुश्किल

यूनिक समय, मथुरा। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों की सबसे बड़ी चिंता यही होती है कि उनका टिकट कन्फर्म होगा या नहीं। गर्मी की छुट्टियों में यह समस्या और बढ़ जाती है। इन दिनों ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट तेजी से बढ़ रही है, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर यात्री वेटिंग टिकट की अलग-अलग कैटेगरी को समझ लें, तो कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ सकती है। रेलवे में हर वेटिंग कैटेगरी की अपनी अलग प्राथमिकता होती है और उसी के आधार पर टिकट कन्फर्म होते हैं। जनरल वेटिंग लिस्ट में कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना सबसे ज्यादा होती

है। यह टिकट उन यात्रियों का होता है जो ट्रेन के शुरुआती स्टेशन से लंबी दूरी तक सफर करते हैं। इसलिए इस कैटेगरी के यात्रियों को सीट मिलने के अधिक मौके रहते हैं साथ ही रिमोट लोकेशन वेटिंग लिस्ट भी होती है। यह बीच के स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए मानी जाती है, इसमें कन्फर्म होने

वेटिंग की सही जानकारी जरूरी

मई-जून तक ट्रेनों में लंबी वेटिंग

90% टिकट ऑनलाइन कराते हैं यात्री

की संभावना से कम रहती है, लेकिन कई बार टिकट कन्फर्म हो जाते हैं। गर्मी की छुट्टियों के चलते काफी लोग परिवार के साथ घूमने की योजना बना रहे हैं। लेकिन वेटिंग टिकट के कारण कई लोगों की यात्रा अधूरी रह जाती है। बच्चे और परिवार के सदस्य भी निराश हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें समय पर कन्फर्म टिकट नहीं मिल पाता।

मथुरा जंक्शन के निदेशक ने बताया कि छुट्टियों के इस समय में ज्यादातर ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है। मई और जून तक लगभग सभी प्रमुख ट्रेनों में सीटें फुल हो चुकी हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि करीब 90 प्रतिशत यात्री अब ऑनलाइन टिकट बुक कर रहे हैं। इससे रेलवे स्टेशन के काउंटर पर भीड़ कम हुई है, लेकिन वेटिंग की समस्या अभी भी बनी हुई है।

यूपी में भीषण गर्मी के बाद राहत की उम्मीद

28 अप्रैल से बदलेगा मौसम

बारिश और तेज हवाओं की संभावना, लोगों को जल्द मिलेगी राहत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है और लोगों को लू व गर्म रातों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल अगले 2-3 दिन तक तापमान में किसी बड़ी राहत की उम्मीद नहीं है। राज्य के कई हिस्सों में दिन का तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक बना रह सकता है, जिससे दोपहर के समय बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर प्रयागराज में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो गर्मी की तीव्रता को दर्शाता है। वहीं मेरठ, कानपुर, बरेली और आगरा, मथुरा जैसे इलाकों में रात का तापमान भी सामान्य से अधिक बना हुआ है।

पिछले 24 घंटों में प्रदेश का मौसम शुष्क रहा और कहीं खास बारिश नहीं हुई। 26 और 27 अप्रैल तक लू का असर जारी रहेगा और तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि तेज गर्मी से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। हालांकि, 28 अप्रैल के बाद मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। 29 और 30 अप्रैल को यह गतिविधि और तेज हो सकती है, जिसमें 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। यह सिलसिला एक मई तक जारी रह सकता है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को राहत मिलेगी। वहीं राजधानी लखनऊ में भी फिलहाल मौसम साफ और धूप तेज बनी रहेगी। यहां अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान करीब 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि लोग धूप से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और दोपहर में बाहर निकलने से परहेज करें, ताकि गर्मी के दुष्प्रभाव से बचा जा सके।

भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों से जनमानस परेशान

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। आसमान से बरस रही आग से लोग झुलस रहे हैं। घरों की छतों पर प्लास्टिक की टंकियों में भरा पानी गर्म हो रहा है। घरों में दोपहर के समय काम करने में टंकी के गर्म पानी से महिलाओं के हाथ झुलस से रहे हैं। कई गोशालाओं में गाय परेशान दिखाई दे रही हैं। उनको गर्म पानी पीने के लिए नसीब हो रहा है।

पिछले कई दिनों से तापमान बढ़ने से गर्मी के टॉर्चर से लोग आम जनमानस परेशान दिखाई देने लगे हैं। सबसे अधिक तो स्कूल की छुट्टी से लौटते बच्चे परेशान दिखाई देते हैं। गर्म हवा के थपेड़े खाते हुए घर

लू के थपेड़ों ने घर से निकलना किया दूभर

रात को गर्मी से नींद गायब, बच्चे दुखी

पहुंचते हैं। सुबह 10 बजे के बाद गर्म हवा के थपेड़ों से सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। हालात यह हो जाते हैं कि जरूरी काम के लिए निकलने वाले लोग ही सड़कों पर दिखाई देते हैं। बसों और निजी वाहनों में यात्रा करने वालों को गर्म हवा के थपेड़ों का सामना करना पड़ता है। वैसे दोपहर के समय मौसम ने करवट ली तो लोगों को राहत सी महसूस हुई, थोड़ी देर के बाद फिर कड़क धूप का सामना होने लगा।

गर्मी बढ़ते ही ट्रांसफार्मरों की सांस फूली

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बढ़ती गर्मी के बीच ट्रांसफार्मर भी गर्म होने लगे हैं। प्रतिदिन ट्रांसफार्मरों में आग लगने की खबरें आ रही हैं। तापमान बढ़ेगा तो ट्रांसफार्मरों पर लोड और बढ़ेगा।

गर्मी के कारण घरों में पंखा, कूलर और एसी चलने लगे हैं। इस कारण हर ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त भार

अधिक भार होने पर आग लगने की घटनाएं बढ़ीं

बढ़ने लगा है। इसी भार के कारण आए दिन आग लगने की खबर मिलने लगी हैं। हालांकि विद्युत अधिकारी निरंतर निगरानी रख रहे हैं। फिर भी आग लग रही है। पिछले साल तो विद्युत आपूर्ति के गड़बड़ाने से जनता में त्राहि-त्राहि करने लगी थी, ऐसी स्थिति जिले में अभी थमी से नजर रही है। यदि पारा और अधिक बढ़ेगा तो गर्मी का सितम भी बढ़ेगा। फिर ट्रांसफार्मरों में अतिरिक्त लोड बढ़ने से आग लगने का खतरा भी पैदा होगा।

बदलाव | **रिश्तों में कड़वाहट की जड़ हम खुद?**

दूसरों को बदलने से पहले खुद को समझें, तभी सुलझेंगे विवाद

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में रिश्ते जितने जरूरी हैं उतने ही नाजुक भी। अक्सर जब किसी से विवाद होता है चाहे वह जीवनसाथी हो, परिवार का सदस्य, दोस्त या सहकर्मी, हम तुरंत सामने वाले को दोष देने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि हर इंसान कभी न कभी मुश्किल बन जाता है। असली चुनौती दूसरों को बदलने की नहीं, बल्कि खुद को समझने और अपनी कमियों को पहचानने की है।

लेखक जेफरसन फिशर कहते हैं कि कई बार हम अनजाने में ही विवाद को बढ़ा देते हैं। जैसे बहस के दौरान तुम हमेशा ऐसा करते हो या तुम कभी नहीं समझते जैसे शब्द इस्तेमाल करना। ये शब्द बातचीत को असली

मुद्दे से भटका देते हैं और पुरानी बातों को उभार देते हैं। इससे समाधान की जगह विवाद और गहराता है।

मनोविशेषज्ञों का कहना है कि बहस में पहचान पर हमला करना भी रिश्तों को कमजोर करता है। तुम आलसी हो या तुम जिम्मेदार नहीं हो जैसे आरोप व्यक्ति को आहत करते हैं और वह रक्षात्मक हो जाता है। इसके बजाय अपनी भावनाएं व्यक्त

पहले अपने भीतर की 'कर्कशता' को पहचानें: एक्सपर्ट

करना बेहतर होता है, जैसे जब तुमने मेरी बात काटी, मुझे बुरा लगा। इससे संवाद खुला और ईमानदार बनता है।

रिश्तों में हिसाब-किताब रखना भी एक बड़ी समस्या है। कौन ज्यादा योगदान दे रहा है, किसने क्या किया- यह सोच रिश्तों को बोझिल बना देती है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि रिश्ते कोई लेन-देन नहीं, बल्कि साझेदारी होते हैं, जहां 'सही साबित होना' नहीं, बल्कि 'साथ चलना' ज्यादा जरूरी है। इसके अलावा, व्यवहार में कठोरता भी एक संकेत है। यदि लोग आपसे बात करने से पहले सोचने लगें या आपकी प्रतिक्रिया से डरें तो यह इस बात का संकेत है कि आपके व्यवहार में लचीलापन कम हो गया है। इसी तरह दोहरे मानक अपनाना भी विवाद को बढ़ाता है- अपने लिए बहाने और दूसरों के लिए आरोप।

अंत में, बचाव की मुद्रा अपनाने से बचना चाहिए। आलोचना सुनते ही "लेकिन" कहने के बजाय, सामने वाले की बात ध्यान से सुनें। यदि आप थोड़े से भी सहमत हैं तो जिम्मेदारी स्वीकार करें और माफी मांगें। विशेषज्ञों का मानना है कि रिश्तों को मजबूत बनाने की पहली सीढ़ी है खुद को समझना और अपनी 'कर्कशता' को पहचानना।

28 अप्रैल को रक्तदान शिविर

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम की शोभायात्रा से पूर्व 28 अप्रैल को सुबह 10 बजे से लेकर 4 रक्तदान शिविर लाइफ केयर ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट मथुरा के सहयोग से लगाया जाएगा। शिविर में कोई भी स्वस्थ व्यक्ति अपना रक्तदान कर सकता है।

महिला जिला अध्यक्ष भावना शर्मा व महानगर अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने बताया कि शिविर में रक्तदान जरूर करें। पूर्व पार्षद व ब्रज यातायात समिति की महिला प्रदेश अध्यक्ष श्वेता शर्मा ने कहा कि यह एक अच्छी बात है किसी भी धार्मिक शोभायात्रा से पूर्व में समाज के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लाइफ केयर ब्लड बैंक के निर्देशक बृजेश शर्मा ने कहा है इस दिन मिले रक्त को जरूरतमंद लोग लोगों को दिया जाएगा।

तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,52,810
22 कैरेट 1,40,585
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,45,690 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

आयकर अधिकारी के रूप में चयनित होने पर शरद का सम्मान

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। आयकर विभाग में कर अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर शरद शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा का लोगों ने सम्मान किया। हरि चन्द शर्मा अमीन के आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में चयन हुए शरद शर्मा हाल निवासी कोसीकलां का माला पहनकर एवं दुपट्टा व साफा बांधकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया हरिश्चंद्र शर्मा ने बताया कि यह पहले प्रथम पद मिलिट्री इंजीनियर सर्विस पर नियुक्त हुए थे, लेकिन उन्होंने वह सर्विस छोड़कर केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में इनका नंबर आ गया वह भी नौकरी छोड़कर अब तीसरी बार आयकर विभाग में कर अधिकारी के रूप में उनकी नियुक्ति हुई है।

सम्मानित करने वालों में महाराजा अग्रसेन सेवा समिति के अध्यक्ष बांकेलाल गर्ग, कैलाश चंद्र शर्मा, किशनचंद शर्मा, हर्ष शर्मा, माधव शर्मा, नंद कुमार तिवारी एडवोकेट, डॉ. तुलाराम तिवारी, कन्हैयालाल तिवारी, डॉ. योगेश कुमार तिवारी, मुरारी लाल तिवारी, मनीष कुमार तिवारी, वीरेंद्र कुमार, महेश चंद्र गोयल, मनोज कुमार गोयल शामिल थे। अध्यक्षता सुरेश शर्मा ने की।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ईको से सीएनजी का रिसाव होने पर फैली दहशत

आगरा नहर पुल पर मची अफरा-तफरी, लगा लंबा जाम

यूनिक समय, कोसीकलां। गोपाल बाग स्थित आगरा नहर पुल पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक चलती इको कार के सीएनजी सिलेंडर से अचानक गैस का रिसाव तेजी से होने लगा। वातावरण में गैस की गंध फैलते ही लोगों में लोग दहशत में आ गये और भगदड़ जैसे हालात बन गए।

हाईवे पर आज ईको कार से अचानक सीएनजी गैस का रिसाव होने लगा। चालक को भी गैस के होने वाले रिसाव के बारे में कुछ पता नहीं था। राहगीरों ने सीएनजी गैस की तेज दुर्गंध को आता देख ईको कार से तुरंत दूरी बनाना शुरू कर दिया।

कई लोगों ने खतरे को भांपते हुए अपने वाहन मौके पर ही छोड़ कर सुरक्षित स्थान की ओर भाग खड़े हुए। ईको कार चालक को भी जब तेजी से होने वाले गैस रिसाव का पता लगा तो उसने कार को छोड़ दिया और वहां से भाग खड़ा हुआ। ईको कार से होने वाले सीएनजी के तेज रिसाव के कारण आगरा नहर पुल पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके चलते हाईवे पर भीषण जाम की स्थिति बन गई। यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और लोगों को काफी परेशानी नजर आए।

ईको कार से हुए गैस रिसाव के बाद आगरा नहर पर लगा वाहनों का जाम।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस ने सबसे पहले लोगों

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारू कराया

को कार से सुरक्षित दूरी पर रोका, फिर धीरे-धीरे कार को वहां से सुरक्षित स्थाना पर खड़ा कराया। इसके बाद यातायात को सुचारू कराया। काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया गया।

गनीमत रही कि समय रहते गैस रिसाव का पता लग गया। सड़क पर चलने वाले वाहनों के चालकों की सतर्कता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। अगर सीएनजी में किसी तरह आग लग जाती तो आज एक बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ईको कार से हुए गैस रिसाव के बारे में जांच कर रही है।

एक सप्ताह से गायब किशोर का नहीं लगा पता

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के नरहौली इलाके से एक सप्ताह से अधिक समय से लापता किशोर का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस और परिवार के लोग उसकी लगतार तलाश कर रहे हैं।

नरहौली निवासी रूप सिंह का 14 वर्षीय पुत्र विवेक 18 अप्रैल की सुबह से लापता है। बताया गया की घर पर उसदिन वह भाई बहनों के बीच हुए झगड़े से नाराज होकर घर से निकल गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिवार के लोग पहले तो यह सोचते रहे कि वह घर लौट आएगा। विवेक के देर रात तक घर न लौटने पर परिवार के

परिवार के लोगों का रो-रोकर है बुराहाल

लोगों को उसकी चिंता हुई। विवेक को उन सभी स्थानों पर तलाश किया गया जहां उसके मिलने की संभावना थी, लेकिन वहां भी उसका कुछ पता नहीं चला। विवेक के इस तरह अचानक घर से गायब होने के कारण परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों ने थाना हाईवे में उसकी गुमशुदगी भी दर्ज करादी है। इसके बावजूद उसका कुछ पता नहीं लग रहा है। विवेक की मां का बुराहाल है।

यमुना में मिला अज्ञात युवक का शव

यूनिक समय, मथुरा। शहर कोतवाली क्षेत्र के विश्राम घाट के पास दाऊजी घाट के सामने यमुना नदी में आज एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव के सिर और हाथ पर गंभीर चोटों के निशान हैं। इसके कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है।

यमुना में नाव संचालन बंद होने के कारण शव काफी देर तक यमुना में बहता रहा। पुलिस को भी यमुना में शव के होने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों का सहयोग लेकर यमुना से शव को बाहर निकलवाया। कोतवाली प्रभारी विनोद

हत्या कर शव को फैंके जाने की जताई आशंका

बाबू मिश्रा ने बताया कि युवक की आयु करीब 30 से 35 साल है। मृतक युवक पैंट-टीशर्ट पहने हुए था। प्रथम दृष्टया शव 24 घंटे के भीतर का लग रहा है। तलाशी के दौरान शव से कोई पहचान पत्र अथवा दस्तावेज नहीं मिली जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोगों का कहना है कि युवक की हत्या कर शव को यमुना में फैंका गया है। पुलिस युवक की शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है।

ट्रैक्टर से गेहूं ले जाते ग्रामीण पर की फायरिंग

यूनिक समय, मथुरा। शाहपुर से ट्रैक्टर में गेहूं लादकर कोसीकलां जाते एक ग्रामीण पर रास्ते में कुछ लोगों ने फायरिंग कर दी। बचकर भागते ग्रामीण को हमलावरों ने घेर कर मारपीट की। इस मामले की तहरीर थाना शेरगढ़ में दी गई है।

शाहपुर निवासी बलराम ने शिकायती पत्र में कहा है कि वह ट्रैक्टर में गेहूं लाद कर कोसीकलां के लिए जा रहा था। रास्ते में लक्ष्मी स्कूल पैगांव के समीप साइड से एक गाड़ी ट्रैक्टर के समीप आकर खड़ी हो गई। गाड़ी से पांच व्यक्ति उतरकर आए और उन्होंने ट्रैक्टर को रुकवाने की कोशिश की। बलराम का कहना है कि उसने

हमलावरों ने ग्रामीण को घेर कर बुरी तरह पीटा

ट्रैक्टर को नहीं रोका। इस पर हमलावरों ने फायर कर दिया। वह ट्रैक्टर को छोड़ कर भागा तो इन लोगों ने उसे घेर लिया। हमलावरों ने उसके साथ जमकर लाठी व धारदार हथियारों से मारपीट की। शोर मचाने पर लोगों को आता देख हमलावर वहां से भाग गए। पीड़ित ने हमला करने वालों के नाम राहुल, विष्णु, यादराम के अलावा तीन अज्ञात बताते हुए लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला अस्पताल में डॉक्टर ने मरीजों का हाल जाना

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने स्टाफ के साथ वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल पूछा और इलाज से जुड़ी जानकारी ली। निरीक्षण के समय डॉक्टर ने वार्डों की साफ-सफाई भी देखी और कर्मचारियों को सफाई का खास ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई रहने से मरीज जल्दी ठीक होते हैं और बीमारियां फैलने का खतरा कम रहता है। डॉ. धनगर ने मरीजों को गर्मी से बचने की सलाह भी दी। उन्होंने ज्यादा पानी पीने, धूप से बचने और समय पर दवा लेने के लिए कहा। साथ ही यह भी देखा कि मरीजों को दवाएं समय से मिल रही हैं या नहीं।

नए कपड़े को धोकर ही पहनें लोग

यूनिक समय, मथुरा। सावधान... आप मार्केट से कपड़े लाकर सीधे पहने नहीं हैं बल्कि उनको धोकर पहनें, वरना आप चर्म रोगों के शिकार हो सकते हैं। ऐसा हमारा नहीं चर्म रोग विशेषज्ञों का मानना है।

मार्केट से कपड़े लाकर ज्यादातर लोग तुरंत पहन लेते हैं, उन्हें एक बार भी धोते नहीं है। लोगों को ऐसा लगता है कि इसे तो अभी नया-नया खरीदा है। एक बार पहन कर ही धोएंगे।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान और सतर्क हो जाइए, क्योंकि इस पर एक डॉक्टर ने चौकाने वाला खुलासा किया है, जिसे सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। डॉक्टर का मानना है कि लोग ऐसी गलती हमेशा से करते आ रहे हैं। जिस वजह से उन्हें त्वचा से जुड़े हुए गंभीर रोगों का सामना करना पड़ता है। उस समय लोग

वरना आप त्वचा रोगों के शिकार हो सकते हैं

समझ नहीं पाते हैं कि उन्हें त्वचा संबंधित बीमारियां क्यों हो रही हैं, इसके पीछे नए कपड़ों को बिना धोए पहन लेना भी एक प्रमुख कारण है, डॉ. अनिल अग्रवाल ने बताया कि कपड़ा कैसा भी हो वो तमाम हाथों से होकर गुजरता है। उस पर तमाम तरह के रंग और केमिकल चढ़ाए जाते हैं, जिस वजह से जैसे ही आप उसे बिना धोए पहनते हैं तो आपकी त्वचा पर चिपक जाता है और आपको गंभीर त्वचा संबंधित बीमारियां दे सकते हैं, कपड़े हमारी स्किन को प्रभावित करते हैं और हमारी स्किन से एकदम चिपक कर रहते हैं, ऐसे में कपड़ों को बिना धोए ना पहने, कोई भी नया कपड़ा हो तो उसे मार्केट से एक बार लाकर धो लें फिर उसके बाद ही उसे पहने।

होमगार्ड भर्ती में उमड़ी उम्मीद और मजबूरी

डिग्रियों के बावजूद नौकरी को तरसते युवा कतार में

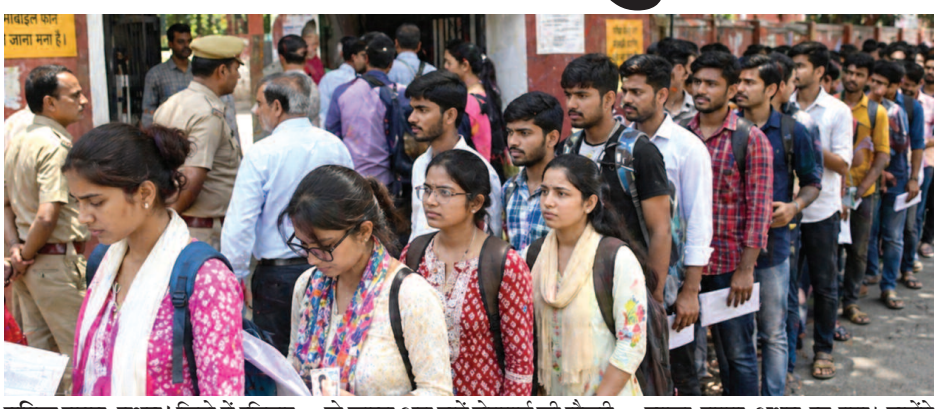

उच्च शिक्षित युवाओं की होमगार्ड भर्ती में भीड़

दूसरे दिन परीक्षा देने आये एमए-बीएड और बीटीसी पास युवाओं ने सुनाई बेरोजगारी की दास्तां

यूनिक समय, मथुरा। जिले में रविवार को होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन भी युवाओं ने बढ़ी संख्या में भाग लिया। शहर के केआर इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सुबह से ही युवाओं की भीड़ लगने लगी। खास बात यह रही कि परीक्षा देने पहुंचे अधिकांश अभ्यर्थी उच्च शिक्षित थे, जिनमें एमए, बीएड, बीएससी और बीटीसी जैसे कोर्स करने वाले युवक-युवतियां शामिल रहे। परीक्षा केंद्र पर मौजूद अभ्यर्थियों के चेहरे पर नौकरी पाने की उम्मीद तो दिखी, लेकिन बातचीत के दौरान बेरोजगारी की पीड़ा भी साफ झलकती नजर आई।

कई अभ्यर्थियों ने खुलकर कहा कि उन्होंने शिक्षक बनने का सपना देखा था, लेकिन लंबे समय से भर्ती न निकलने के कारण अब उन्हें होमगार्ड की नौकरी के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। आगरा के अछनेरा से परीक्षा देने आए आशीष कुमार ने बताया कि उन्होंने एमए तक पढ़ाई की है और उनका लक्ष्य शिक्षा क्षेत्र में जाने का था। लेकिन काफी प्रयास करने के बाद भी उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि अब परिस्थिति ऐसी हो गई है कि जो भी नौकरी मिले उसे अपनाना जरूरी है। यदि होमगार्ड में चयन हो जाता है तो कम से कम परिवार की जिम्मेदारियां संभालने में मदद मिल जाएगी। वहीं रुनकता से आए मोहन सिंह ने अपनी स्थिति बताते हुए कहा कि उन्होंने बीटीसी की पढ़ाई पूरी की है और लंबे समय से शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन भर्तियां न निकलने से उनका सपना अधूरा रह गया। उन्होंने कहा कि घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए अब ज्यादा इंतजार करना संभव नहीं है। ऐसे में होमगार्ड की नौकरी भी उनके लिए एक सहारा बन सकती है। रामबाग से पहुंचे धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने बीए और बीएड किया है। उनका कहना था कि शिक्षक बनने के उद्देश्य से पढ़ाई की थी, लेकिन समय के साथ उम्र भी बढ़ती जा रही है और अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार की जिम्मेदारियां भी बढ़ रही हैं, इसलिए अब कोई भी स्थायी रोजगार मिलना जरूरी हो गया है। अगर इस भर्ती में चयन हो जाता है तो वह अपने जीवन को स्थिर कर पाएंगे। आगरा से आई कुमारी नीलम ने बताया कि उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मनचाही नौकरी नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि उन्हें होमगार्ड की भर्ती में आवेदन करना पड़ेगा, लेकिन हालात ने ऐसा करने के लिए मजबूर कर दिया। उनका कहना था कि यदि इस नौकरी में चयन हो जाता है तो उन्हें मानसिक संतोष मिलेगा कि उनके पास कोई रोजगार तो है। आगरा सदर से आई पूनम ने कहा कि उन्होंने बीएससी और बीएड की पढ़ाई की है और हमेशा शिक्षक बनने का सपना देखा था। लेकिन लंबे समय से शिक्षा विभाग में भर्ती न निकलने के कारण उन्हें अपना लक्ष्य बदलना पड़ा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी इतनी बढ़ गई है कि अब कोई भी अवसर छोड़ना उचित नहीं चाहता। होमगार्ड की नौकरी भले ही उनके सपनों से अलग हो, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह एक नौकरी मिल जाती है तो इससे अच्छा और क्या होगा।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में 17 केंद्रों पर 11145 परीक्षार्थी बैठे

परीक्षा केंद्र पर जांच पड़कर बाहर निकलते पुलिस अधिकारी ।

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय परीक्षा में आज रविवार का दूसरे दिन होमगार्ड्स के पदों पर होने वाली परीक्षा जनपद के 17 परीक्षा केंद्रों पर सकुशल संपन्न हुई। आज परीक्षा में कुल 14208 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन परीक्षा में 11145 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। वहीं 3063 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय होमगार्ड भर्ती परीक्षा के आज दूसरे दिन जनपद में 17 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा से पहले जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार के अलावा एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह और एडीएम प्रशासन अवनीश कुमार ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर होने वाली परीक्षा से पूर्व वहां की गईं व्यवस्थाओं को बारीकी से जांचा। इसके साथ ही केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा को नकल विहीन और शांतिपूर्ण माहौल में कराए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर बड़ी संख्या में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था रही। वहीं परीक्षार्थियों के साथ आने वाले लोगों की भी केंद्रों के बाहर भीड़ रही। होमगार्डस की भर्ती परीक्षा में जनपद में 14208 अभियर्थियों को परीक्षा देनी थी। लेकिन आज दूसरे दिन की परीक्षा में11145 परीक्षार्थी शामिल हुए। 3063 परीक्षार्थियों ने परीक्षा को छोड़ दिया। परीक्षा का अभी एक दिन और बाकी है।

3063 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

बंदरों के हमले में छत से गिरा अधेड़ व्यक्ति, मौत

यूनिक समय, फरह। थाना फरह के गांव पींगरी में बंदरों के हमले की वजह से छत से गिरकर एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे की वजह से गांव में मातम पसरा हुआ है, शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने शाम को मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया।

गांव पींगरी निवासी अमर सिंह उर्फ भोलू (45) शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे अपने घर की छत पर गेहूं सुखाने के लिए गए थे। इसी दौरान छत पर बैठे बंदरों के झुंड ने अमर सिंह पर अचानक पीछे से हमला बोल दिया। बंदरों के हमले से घबराकर अमर सिंह संतुलन खो बैठा और छत से नीचे गिर पड़ा। जमीन पर गिरने से

मृतक अमर सिंह का फाइल फोटो

उसके सिर में गंभीर चोट आई। इस स्थिति को देख परिवार ही नहीं आस-पास के लोगों में हड़कंप मच गया। गंभीर रूप से घायल अमर सिंह को परिजन तत्काल उपचार के लिए आगरा के एक निजी अस्पताल में ले गए। आरोप है कि चिकित्सक ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अस्पताल में दाखिल नहीं किया तो परिजनों ने उसको एसएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया, जहां शनिवार की देर रात अमर सिंह ने दम तोड़ दिया। रविवार की शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गांव में कर दिया गया। बंदरों की वजह से अमर सिंह की मौत होने से गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। मृतक के परिजनों ने बताया कि अमर सिंह की बेटी की शादी 10 मई को होना तय थी। अमर सिंह बेटी के विवाह की तैयारियों में लगा हुआ था। वह बरसात में भीगे गेहूं को सुखाने के लिए छत पर गया था। जिसके चलते बेटी की शादी से पूर्व ही यह हादसा हो गया। मृतक की चार बेटी और तीन बेटें हैं।

गांव में छाया रहा मातम, 10 मई को होनी थी बेटी की शादी

ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदरों से छुटकारा दिलाने की लगाई गुहार

मुम्बई से आए श्रद्धालु की वृंदावन में तलाश

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मुंबई से वृंदावन आए एक श्रद्धालु की आश्रम और धर्मशालों में तलाश की जा रही है। बोरीवली निवासी 48 वर्षीय एक व्यक्ति 20 अप्रैल को घर से वृंदावन के लिए निकला था, लेकिन अब तक घर नहीं पहुंच सका। उससे संपर्क न होने पर पत्नी शनिवार को मथुरा पहुंची। यहां रेलवे स्टेशन पर उसके आने की पुष्टि हुई। पत्नी अब उसे आश्रम और धर्मशालाओं में ढूंढ रही है। जानकारी के अनुसार मुंबई के बोरीवली ईस्ट स्थित शांतिवन निवासी कल्याण गुल्लापल्ली 20 अप्रैल की सुबह साढ़े 10 बजे घर से निकला और वापस नहीं पहुंचे। उसका मोबाइल, आधार कार्ड आदि सब घर पर ही है। शनिवार को वृंदावन पहुंची कल्याण गुल्लावल्ली की पत्नी चंदना गुल्लापल्ली ने बताया कि उनके पति हमेशा संत प्रेमानंद के सत्संग सुनते और वृंदावन आकर उनके दर्शन की इच्छा जताते थे। 20 अप्रैल की सुबह साढ़े 10 बजे बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गए। इसके बाद उन्होंने बोरीवली ईस्ट थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। लेकिन कोई पता न चलने पर शुक्रवार को मुंबई रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे देखे तो पति मथुरा की ट्रेन में बैठते दिखाई दिए। शनिवार को वह मथुरा पहुंची। जंक्शन रेलवे स्टेसन के सीसीटीवी कैमर में भी उसके पति मुंबई की ट्रेन से उतरते दिखाई दिये। चंदना का मानना है कि पति वृंदावन गए हैं। शाम को वह वृंदावन पहुंचीं। यहां पति की तलाश में कई आश्रमों में जानकारी की। उनका मानना है कि भगवत भजन के लिए किसी आश्रम में रुके होंगे। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि कल्याण गुल्लापल्ली की तलाश की जा रही है।

संपर्क न होने पर पत्नी खोजबीन को आई

कोतवाली प्रभारी बोले.. श्रद्धालु को ढूंढ़ा जा रहा है

धंधा

गली-मोहल्लों में खूब बिक रहा है पानी

पानी के कारोबार से बन रहे लोग लखपति

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी का मौसम आते ही कान्हा की नगरी में पानी का कारोबार खूब फल फूल रहा है। जिले में एक नहीं कई लोगों ने अपने घरों और गोदामों पर पानी फिल्टर की मशीन लगा रखी है। गर्मी आते ही पानी का कारोबार इतना अधिक उछाल मारता है कि हजारों लोगों के परिवारों के लिए पालन पोषण का जरिया बन जाता है।

हैरानी की बात तो यह है कि जिले के जिम्मेदार अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं है कि मथुरा, वृंदावन, कोसीकलां, छाता, चौमुहां, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन, सौंख, मगोर्रा, फरह, बल्देव, राया, मांट, नौहझील एवं सुरीर आदि क्षेत्रों में पानी के कितने प्लांट लगे

हैं। जानकारों की मानें तो रोजाना इन प्लांटों के जरिए भू गर्भ लाखों लीटर पानी निकाला जाता है और उसे बेचा जाता है। किसी के पास हिसाब किताब नहीं है। मथुरा और वृंदावन की बात करें तो इन दोनों जगहों में आवासीय कालोनियों में पानी के लगे प्लांट नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। आने वाले दिनों में कालोनी के अंदर पानी की समस्या पैदा करेंगे। पानी का कारोबार इतना आसान हो गया है कि बहुत से लोग इस प्लांट को लगाकर पानी बेचने का कारोबार कर रहे हैं। गर्मी के मौसम में बाजार में कई ब्रांडेड कंपनियों की बोतल भी आ गई है। वह भी बीस से 40 रुपये तक बिक रही है।

सरकारी कार्यालयों में पानी कैम्परों की मांग

यह कोई बताने को तैयार नहीं है कि जिले में कितने चल रहे हैं प्लांट

आराध्यार्चना एवं संत सेवा कल

यूनिक समय, वृंदावन। आस्ट्रेलिया निवासी ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के भक्तों की ओर से सोमवार को आराध्यार्चना एवं संत सेवा की जाएगी। कार्यक्रम श्रीहरिदासबिहारी फाउंडेशन भारत ट्रस्ट के तत्वावधान में होगा। ऑस्ट्रेलिया निवासी भक्त अजय भटनागर, प्रेरणा भटनागर, अमित भटनागर व पूनम भटनागर की ओर से भगवान की सेवार्थ दिव्य राजभोग, ऋतु फल, मेवा-मिष्ठान आदि पदार्थ तथा न्योछावर अर्पित करने के उपरांत आराध्य की विशेष अर्चना की जाएगी। उसके बाद दोपहर एक बजे से स्थानीय देव रेजीडेंसी होटल में आयोजित संत सेवा में साधु - संतों को भोजन प्रसादी के साथ अंगवस्त्र व द्रव्य दक्षिणा प्रदान की जाएगी। ये जानकारी फाउंडेशन के महासचिव रविंद्र तंवर ने दी है।

भांडीरवन में विवाद के बाद प्रशासन ने बढ़ाई सख्ती

शादी आयोजनों पर अब सेवायतों को रखना होगा पूरा रिकॉर्ड

शनिवार रात को भांडीरवन में जांच को पहुंचे तहसीलदार ब्रजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी।

संवाददाता

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। राधा-कृष्ण की विवाह स्थली भांडीरवन में आपसी कलह सुलझने का नाम नहीं ले रही है, अब यहां के सेवायतों को रजिस्टर मेंटेन करना होगा, जिसमें शादी या अन्य कार्यक्रम में शामिल लोगों की पूरी सूचना लिखनी होगी।

शनिवार को यहां एक डेस्टिनेशन मैरिज हो रही थी, जिसके लिए पार्क व टिन शेड का प्रयोग किया गया, योगेश

भांडीरवन में शादी में शामिल लोगों के लिए बनाना होगा रजिस्टर

व तनुज दीक्षित की शिकायत के बाद एसडीएम दीपिका मेहर ने तहसीलदार ब्रजेश कुमार को जांच के निर्देश दिए। शनिवार की रात तहसीलदार बृजेश कुमार, नायब तहसीलदार राकेश उपाध्याय, लेखपाल रिंकू सिंह और लेखपाल लोकेश चौधरी बंसीवट पहुंचे, तब तक शादी का कार्यक्रम सम्पन्न हो चुका था।

तहसीलदार ने भांडीरवन के सभी सेवायतों को निर्देशित किया है कि कोई भी कार्यक्रम या शादी कराने से पहले कार्यक्रम, शादी में शामिल सभी लोगों की पूरी जानकारी रजिस्टर में अंकित करनी होगी और कार्यक्रम की लिखित सूचना तहसील में उपलब्ध करानी होगी। निरीक्षण कर बाद रविवार को तहसीलदार ने बताया कि प्रशासनिक कार्यों में व्यस्तता के चलते वह देरी से भांडीरवन पहुंच पाए थे, जल्द ही वहां की सभी बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी और जांच कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

जबकि शिकायत कर्ताओं का आरोप है कि शिकायत के कई घंटे बाद अधिकारी पहुंचे, तब तक वहां से शादी व दावत के सभी चिन्ह हटा दिए गए थे।

क्या वास्तव में हो सकती हैं यहां डेस्टिनेशन मैरिज

इन दिनों डेस्टिनेशन मैरिज का उच्च घरानों में काफी प्रचलन चल रहा है, भांडीरवन क्यों कि राधा-कृष्ण की विवाह स्थली माना जाता है, सो बहुत से लोगों की मंशा रहती है कि वह भी यहीं शादी करें, भांडीरवन में सेवायतों के दो गुट हैं और दोनों ही गुट यहां शादी कि व्यवस्था देखते हैं, लेकिन भांडीरवन में इतना स्थान नहीं है कि यहां शादी तरीके से हो सके, शादी के चलते यहां श्रद्धालुओं को दिक्कत भी होती है।

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री नीरज अग्रवाल जी का गोलोकवास दिनांक 26.04.2026 दिन रविवार को हो गया है। उठावनी आजः दिनांक 27.04.2026 दिन सोमवार को महिलाओं और पुरुषों की समय 4 से 5 बजे तक अग्रवाल सेवा सदन चक्र तीर्थ के सामने वृन्दावन गेट मथुरा पर होगी।

स्व. श्री नीरज अग्रवाल

शोकाकुलः- भरत अग्रवाल-पारुल जिंदल (पुत्र-पुत्रवधू) मोः- 8532915709
विजय कुमार, डॉ. अजय कुमार (भाई) बृजविहारि (मूर्ति वाले) (भतीजे)

प्रतिष्ठानः- ब्रज मैटल ट्रेडर्स, हनी पोशाक 9897625291

ससुराल पक्षः- गिरधारीलाल, राकेश कुमार दसविसा, गोवर्धन

सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रीय राजमार्ग से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण के दायरे में आने वाले सभी अवैध अतिक्रमण, ढाबे, भोजनालय, दुकानें, होटल या कोई भी व्यावसायिक ढांचों को 60 दिनों के अंदर हटाने का सख्त निर्देश दिया है। जिला मजिस्ट्रेट को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि इन अवैध निर्माणों को हटाएं। सुप्रीम कोर्ट का आदेश इस वजह से आया है कि नवंबर 2025 में राजस्थान के फलौदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में हुए दो बड़े हादसों में कुल 34 लोगों

अवैध अतिक्रमण, ढाबे, भोजनालय, दुकानें, होटलों पर भी नजर

की मौत हुई थी। कोर्ट ने पाया कि हाईवे किनारे बने अवैध ढाबे और अनधिकृत पार्किंग दुर्घटनाओं का बड़ा कारण हैं। इसलिए कोर्ट ने आर्टिकल 21 (जीवन का अधिकार) के तहत "सुरक्षित यात्रा का अधिकार" को मौलिक अधिकार माना और पैन-इंडिया इंटरिम डायरेक्शन्स जारी किए।

भाजपा की तुष्टिकरण की नीति बर्दाश्त नहीं की जायेगी

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। धर्म रक्षा संघ की बैठक आचार्य बद्रीश महाराज की अध्यक्षता में भागवत मंदिर में हुई। बैठक में प्रखर सनातनी एवं राष्ट्रवादी नेता गौतम खट्टर एवं उनके नाबालिग भाई माधव खट्टर की गिरफ्तारी की कठोर शब्दों में निन्दा की गई। साथ ही इस घटना पर आक्रोश व्यक्त किया गया। धर्म रक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि आज भारत में हिंदू कोई ऐतिहासिक सत्य बोलता है तो तुष्टीकरण की नीति के तहत उसके खिलाफ कार्यवाही हो जाती है जबकि अनेकों लोग हिंदू देवी देवताओं और हमारी आस्थाओं का अपमान करते रहते हैं मगर सरकार ने उनके खिलाफ

धर्म रक्षा संघ की बैठक में संत।

एक मुकदमा भी दर्ज नहीं किया।

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि सेंट फ्रांसिस जेवियर एक निहायत अत्याचारी और हिंदुओं का धर्मांतरण ईसाई धर्म में करने वाला आततायी था सेंट फ्रांसिस जेवियर के हिन्दुओं पर किये गये क्रूरतम अत्याचारों के सामने मुगल अत्याचारी भी छोटे लगते हैं। इस सत्य को उजागर करने वाले गौतम खट्टर का सम्मान करने की बजाय उन्हें जेल भेजना अत्यंत निंदनीय है। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी अतुल कृष्ण दास महाराज ने कहा के सेंट फ्रांसिस जेवियर ने गोवा में सैकड़ो मंदिरों को नष्ट करवाया और मूर्तियों को तोड़ा उन्होंने बड़े पैमाने पर हिंदुओं पर अत्याचार करते हुए धर्मांतरण कराया, इस सत्य को उजागर करने वाले गौतम खट्टर के साथ सरकार की हिन्दू विरोधी, दमनकारी और तुष्टिकरण की नीति का धर्म रक्षा संघ पुरजोर विरोध करता है। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी रामदास महाराज ने कहा कि सरकार गौतम खट्टर को तुरंत रिहा करके उनके ऊपर लगाए गए सभी आरोप वापस ले यदि ऐसा नहीं हुआ तो धर्म रक्षा संघ एक बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगा।

जनगणना में शिक्षा मित्रों की ड्यूटी दूर-दराज न लगाई जाए

ज्ञापन देते शिक्षा मित्र।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना के तहत मकान सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून के बीच होना है, जिसमें प्रगणकों के रूप में कार्य करने के लिए शिक्षकों एवं शिक्षा मित्रों को लगाया गया है। प्रशिक्षण सभी तहसीलों एवं नगर निगम मथुरा के विभिन स्थलों पर चल रहा है ।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष खेमसिंह चौधरी के नेतृव में जिला अधिकारी, नगर निगम के आयुक्त समे जिले के सभी उप जिलाधिकारियों के नाम दिए गए ज्ञापन में शिक्षा मित्रों की समस्याओं को उठाते हुए मांग की है कि शिक्षा मित्र जिस ग्राम पंचायत अथवा वार्ड में कार्यरत है जनगणना प्रगणक के रूप में उनकी ड्यूटी उनकी ही ग्राम पंचायत या वार्ड में लगाई जाए और जो शिक्षा मित्र विकलांग हैं अथवा गम्भीर बीमारी से पीड़ित हैं उनको जनगणना के कार्य से अलग रखा जाए। जिला अध्यक्ष ने बताया कि विकास खण्ड मथुरा देहात क्षेत्र से दर्जनों महिला-पुरुष शिक्षा मित्रों की ड्यूटी उनके विद्यालय/घर से 20 से 25 किमी दूर नगर निगम मथुरा

शिक्षा मित्रों ने कहा, करेंगे कार्य का बहिष्कार

शहरी क्षेत्र में और गोवर्धन देहात क्षेत्र से नगर पंचायत गोवर्धन में लगा दी गई है। अन्य जगह भी ऐसी ही जानकारी उन्हें प्राप्त हो रही है कि उन्हें उनके घर से दूर लगाया जा रहा है। इस सम्बन्ध में उनका कहना है कि एक तो वैसे ही शिक्षा मित्रों को जून महीने में मानदेय नहीं मिलता है और इस भीषण गर्मी में अपने घरों से इतना दूर घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करना उनके लिए सम्भव नहीं है, इसलिए जनगणना के कार्य के लिए उनकी ड्यूटी उनकी ही ग्राम पंचायत अथवा वार्ड में लगाई जाए और अगर ऐसा नही होता है तो मजबूरन शिक्षा मित्र जनगणना के कार्य का बहिष्कार करेंगे। ज्ञापन देने वालों में ठाकुर योगेन्द्र सिंह, तेजवीर सिंह, प्रह्लाद सिंह, भगवान सिंह, सुनील चौहान, शिवकुमार, मान सिंह, सुमनलता शर्मा, आशा शर्मा, ओमवती शर्मा, कुसमा, सुनीता शर्मा, पिंकी, ममता शर्मा रीना, राखी कुमारी, देवी सिंह, मनसुखलाल तथा सरोज देवी आदि शामिल थे।

केडी मेडिकल कॉलेज में मेडिकल लेबोरेटरी प्रोफेशनल्स वीक का समापन

लैब विशेषज्ञों के योगदान को मिला विशेष सम्मान

मां सरस्वती पर माल्यार्पण के बाद अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के पैथोलॉजी विभाग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग तथा बॉयोकैमिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित मेडिकल लेबोरेटरी प्रोफेशनल्स वीक का समापन शनिवार को चिकित्सा प्रयोगशाला पेशेवरों को सम्मानित कर किया गया। डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में पैथोलॉजी और प्रयोगशाला की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो चुकी है। बिना सटीक जांच के किसी भी बीमारी का सही इलाज सम्भव नहीं है।

मेडिकल लेबोरेटरी प्रोफेशनल्स वीक के अंतिम दिन चिकित्सा प्रयोगशाला पेशेवरों के बीच कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ केडी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, उप-प्राचार्या डॉ. गगनदीप कौर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह आदि ने मां सरस्वती पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत केंद्रीय नैदानिक प्रयोगशाला अधीक्षक डॉ. प्रणीता जसवंत सिंह ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. निमिषा, डॉ. वरुणा तथा गुणवत्ता प्रबंधक डॉ. कांधा कुमारी ने अपने-अपने विभागों की कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मॉडल प्रजेंटेशन, रोचक क्विज प्रतियोगिता, व्यावहारिक जानकारी, अवॉर्ड सेरेमनी जैसी गतिविधियां शामिल रहीं। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य लैब टेक्नीशियंस और प्रोफेशनल्स के योगदान को सम्मानित करना तथा चिकित्सा के क्षेत्र में नई तकनीकों से अवगत कराना था। डॉ. यामिनी, डॉ. अंजलि, डॉ. आकांक्षा, डॉ. निखिल, डॉ. उमाकांत, डॉ. अंजू तथा डॉ. सुशील आदि ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के संचालन में योगदान दिया। इस दौरान चिकित्सा प्रयोगशाला पेशेवरों ने विभिन्न विधाओं में अपनी मेधा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन कर विजेता तथा उपविजेता ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र हासिल किए।

डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में जब नई-नई बीमारियां सामने आ रही हैं, ऐसे में मरीजों की जान बचाने के लिए लेबोरेटरी की रिपोर्ट सबसे अहम कड़ी होती है। उन्होंने कहा कि मेडिकल लेबोरेटरी प्रोफेशनल्स वीक स्वास्थ्य सेवा के उन नायकों को सम्मानित करने का सुअवसर होता है, जिनकी अक्सर चर्चा नहीं होती। कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने कहा कि आप स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के नायकों के बारे में जब सोचते हैं, तो अक्सर डॉक्टर और नर्स दिमाग में आते हैं लेकिन लगभग 70 प्रतिशत नैदानिक निर्णयों में मेडिकल लेबोरेटरी पेशेवरों की भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि बीमारियों के निदान से लेकर उपचार की प्रगति की निगरानी तक, प्रयोगशाला पेशेवरों का काम रोगी की देखभाल के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने कहा कि लैब प्रोफेशनल्स अक्सर पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं, लेकिन उनकी जांच रिपोर्ट ही डॉक्टरों को सही दिशा में इलाज करने का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यामिनी तथा आभार डॉ. संगीता सिंह ने माना।

गो सम्मान अभियान में 27 को तहसील स्तर पर सौंपे जाएंगे ज्ञापन

यूनिक समय, वृंदावन। गो सम्मान अभियान के तहत 27 अप्रैल को तहसील स्तर पर ज्ञापन सौंपे जाएंगे। देशभर की लगभग तहसीलों पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। आयोजकों ने बताया कि छाता तहसील में पंडित मेवालाल मैरिज होम, मांट तहसील में डाक बंगला परिसर, महावन तहसील में तहसील के पास पुराना पेट्रोल पंप, सदर तहसील पर एसपी ऑफिस के पास बरगद के पेड़ के पास, गोवर्धन तहसील में मुख्य द्वार के पास गो भक्त एकत्र होंगे।

मुनक्का खाने से हड्डियां,दिल और आंखें होती हैं मजबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दादी–नानी के जमाने से ड्राई फ्रूट्स को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। ड्राई फ्रूट्स को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम कर शरीर और सेहत को काफी हद तक मजबूत बनाया जा सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक मुनक्का शरीर के कई अंगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए मुनक्के का सेवन करने के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

हड्डियों के लिए फायदेमंद : कैल्शियम रिच मुनक्का आपकी बोन और मसल हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। मुनक्के को हड्डियों के लिए फायदेमंद माना जाता है। आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक मुनक्का खाकर पेट की सेहत को भी काफी हद तक सुधारा जा सकता है।

पेट को साफ रखने के लिए रात में सोने से पहले मुनक्का खाएं और अगली सुबह खुद–ब–खुद पॉजिटिव असर देखें।

मजबूत बनाए दिल की सेहत : मुनक्के में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को सुधारकर हार्ट रिलेटेड प्रॉब्लम्स के खतरे को कम करने में कारगर साबित हो सकते हैं। ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए भी मुनक्के का सेवन किया जा सकता है। मुनक्का खाकर आप अपनी थकान को दूर कर एनर्जेटिक फील कर पाएंगे। कुल मिलाकर मुनक्का आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद : विटामिन ए से भरपूर मुनक्का खाकर आप अपनी आंखों की रोशनी को सुधार सकते हैं। खून की कमी को दूर करने के लिए भी मुनक्के का सेवन किया जा सकता है क्योंकि इस ड्राई फ्रूट में आयरन पाया जाता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से मुनक्के को डाइट प्लान का हिस्सा बनाना चाहिए।

अट्रैक्टिव हेयर स्टाइल के लिए बालों में लगाएं ये हेयर बैंड, मिलेगा खूबसूरत लुक

यूनिक समय, मथुरा। आप अपने हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हेयर बैंड बना सकती हैं। वहीं आपको हेयर बैंड अलग–अलग डिजाइन में मिल जाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर बैंड डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं।

हम सभी को ट्रेंडी हेयर स्टाइल बनाना पसंद होती है। जिसके लिए हम अक्सर पार्लर जाकर हेयर स्टाइल करवाते हैं। तो वहीं कई बार वीडियो देखकर हेयर स्टाइल क्रिएट करते हैं। लेकिन खुले बालों में किस तरह की एक्सेसरीज लगाना चाहिए, यह समझ नहीं आता है। ऐसे में आप अपने हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हेयर बैंड बना सकती हैं। वहीं आपको हेयर बैंड अलग–अलग डिजाइन में मिल जाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर बैंड डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं।

बालों में लगाने के लिए आप स्टोन वर्क वाले हेयर बैंड ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के हेयर बैंड लगाने से हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगता है। वहीं आपका हेयर लुक भी अच्छा लगेगा। आप खुले बालों में इस तरह के हेयर बैंड को लगाएं। फिर पीछे के बालों को कर्ल करें। इससे आपका हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह का हेयर बैंड 40 से 100 रुपए के बीच में मिल जाएगा।

हेयर बैंड : अगर आप भी अपने हेयर स्टाइल को अच्छा बनाना चाहते हैं तो आप इस तरह के हेयर बैंड ट्राई कर सकती हैं। इससे भी आपका हेयर स्टाइल अच्छा लगेगा। इस तरह के हेयर बैंड में आपको वाइयर डिजाइन मिलेंगे। इसमें आपका ओपन हेयर स्टाइल काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह की हेयर एक्सेसरीज 30 से 50 रुपए में मिलेंगे।

वर्क वाला हेयर बैंड : अपनी हेयर स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप वर्क वाले हेयर बैंड का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह हेयर बैंड काफी अच्छे लगते हैं। इसमें छोटे–छोटे मोती मिलेंगे। वहीं इसको जिक–जैक डिजाइन में लगाया है। आप इस तरह के हेयर बैंड को लहंगे से लेकर सूट तक के साथ ट्राई कर सकती हैं। मार्केट में 20 रुपए से लेकर 100 रुपए तक में इस तरह के हेयर बैंड मिल जाएंगे। वहीं आप खुले बालों में भी इस तरह के हेयर बैंड को स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका हेयर स्टाइल लुक काफी अच्छा लगेगा। वहीं आपको सिंपल हेयर एक्सेसरीज मिल जाएगी। आप इसको कभी भी ट्राई कर सकती हैं। इससे आपके लुक में चार चांद लग जाएंगे।

बेहद क्रिस्पी और टेस्टी बनाएं चाऊमीन समोसा

यूनिक समय, मथुरा। अमूमन चाऊमीन समोसे को लोग घर पर बनाना पसंद करते हैं। घर में चाऊमीन समोसा बनाते समय आप इसमें मसालों से लेकर सब्जियों तक हर चीज में अपनी पसंद के अनुसार बदलाव कर सकते हैं। घर पर क्रिस्पी व टेस्टी चाऊमीन समोसा बनाना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।

शाम का समय हो तो अक्सर चाय के साथ कुछ चटपटा और मजेदार खाने का मन करता है। ऐसे में अक्सर लोग चाय के साथ समोसे खाना पसंद करते हैं। यूं तो समोसों में अमूमन आलू की फिलिंग की जाती है, लेकिन अगर आप एक ट्विस्ट के साथ समोसे खाना चाहते हैं तो ऐसे में चाऊमीन समोसे बनाकर खाए जा सकते हैं। जरा सोचिए, एक परफेक्ट क्रंची समोसा, जिसके अंदर फ्लेवर से भरपूर सॉसी चाऊमीन भरी हो। इस तरह का समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को बेहद ही पसंद आएगा।

अमूमन चाऊमीन समोसे को लोग घर पर बनाना पसंद करते हैं। घर में चाऊमीन समोसा बनाते समय आप इसमें मसालों से लेकर सब्जियों तक हर चीज में अपनी पसंद के अनुसार बदलाव कर सकते हैं। घर पर क्रिस्पी व टेस्टी चाऊमीन समोसा बनाना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। बस जरूरी है कि आप इसे बनाते समय कुछ छोटे–छोटे टिप्स को फॉलो करें। तो चलिए आज इस लेख में टपरी किचन रेस्टोरेंट के हेड शेफ हिमांशु त्यागी आपको चाऊमीन समोसा बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ टिप्स के बारे में बता रहे हैं–

सही नूडल्स का करें इस्तेमाल : जब आप चाऊमीन समोसा बना रहे हैं तो आपको नूडल्स का चयन थोड़ा सोच–समझकर करना चाहिए। कोशिश करें कि आप पतले नूडल्स का इस्तेमाल करें जैसे हक्का नूडल्स या इंस्टेंट चाउमीन नूडल्स। साथ ही, इन्हें सही तरह से उबालना भी जरूरी है ताकि ये हल्के कड़क रहें और समोसे के अंदर गीले या चिपचिपे न हो जाएं।

टेस्टी फिलिंग तैयार करें : चाऊमीन समोसा का टेस्ट उसकी फिलिंग पर ही निर्भर करता है, इसलिए आपको फिलिंग के टेस्ट को किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। इसके लिए एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें और उसमें बारीक कटा हुआ लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालें। अब पतली–पतली कटी सब्ज़ियां जैसे पत्ता गोभी, गाजर, शिमला मिर्च और स्प्रिंग अनियन आदि डालें। इसे तेज़ आंच पर हल्का सा भूनें ताकि सब्ज़ियां कुरकुरी रहें। अब स्वाद के लिए सोया सॉस, चिली सॉस, थोड़ा नमक और काली मिर्च डालें। आखिरी में नूडल्स डालकर अच्छे से मिक्स करें।

गीला या ऑयली ना हो फिलिंग: हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि समोसे की फिलिंग ज़्यादा गीली या ऑयली नहीं होनी चाहिए वरना समोसा गीला हो जाएगा। साथ ही, आप इसे भरने से पहले पूरी तरह ठंडी कर लें ताकि समोसा शीट फटे नहीं।

किचन टिप्स

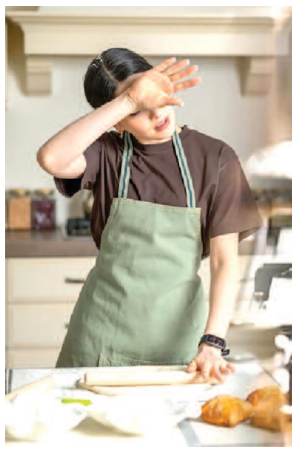

यूनिक समय, मथुरा। रसोई में सफाई और समय की बचत दोनों ज़रूरी होती हैं। अगर दाल जल्दी पकानी हो तो उसमें एक चम्मच तेल और चुटकीभर हींग डालें, इससे पकने में समय कम लगेगा। बचे हुए चावल को फ्रिज में रखने से पहले ठंडा कर लें, नहीं तो उनमें नमी आ सकती है। टमाटर को जल्दी छीलने के लिए गरम पानी में कुछ मिनट भिगो दें। इडली या डोसे का बैटर खट्टा हो जाए तो उसमें थोड़ा चावल का आटा और पानी मिलाकर उसका संतुलन ठीक किया जा सकता है। फ्रिज में हमेशा नींबू के स्लाइस और पुदीना रखें, ये ड्रिंक्स और सलाद में ताजगी लाते हैं। आलू या बैंगन कटने के बाद काले न हों, इसके लिए उन्हें नमक वाले पानी में कुछ देर रखें। खाना पकाते समय सामग्री को पहले से तैयार रखने से काम जल्दी होता है।

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर के पास स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ भारतीय प्राचीन कला, संस्कृति और धर्म का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करती हैं। ये गुफाएँ लगभग 2000 वर्ष पुरानी मानी जाती हैं और मुख्यतः जैन साधुओं द्वारा 1वीं शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इनका निर्माण गुप्त सम्राट कुमारगुप्त कके शासनकाल में हुआ था।

उदयगिरी, जिसका अर्थ है "सूर्योदय की पहाड़ी", में कुल 18 गुफाएँ हैं। ये गुफाएँ पहाड़ी की ऊँचाई पर स्थित हैं और यहाँ की गुफाओं का उपयोग ध्यान, साधना और विश्राम के लिए किया जाता था। यहाँ की प्रसिद्ध हाथी गुफा में एक विशाल हाथी की मूर्ति है, जो

इसकी खास पहचान बन चुकी है। गांधार गुफा भी यहां की प्रमुख गुफाओं में से एक है, जहाँ शिलालेख और मूर्तिकला के उत्कृष्ट नमूने देखे जा सकते हैं। खंडगिरी गुफाएँ, जो उदयगिरी के निकट स्थित हैं, में कुल 15 गुफाएँ हैं। इनका नाम 'खंडित पर्वत' पर आधारित है। खंडगिरी की रानी गुफा अपनी भव्य वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। इसमें शाही परिवार की मूर्तियाँ और सजावटी चित्र उकेरे गए हैं। अन्य गुफाओं में जैन साधुओं के तप और अनुशासन से जुड़ी मूर्तियाँ और चित्र दर्शनीय हैं।

इन गुफाओं में की गई शिल्पकला, जैसे दीवारों और छतों पर उकेरी गईं मूर्तियाँ, उस समय की कला, धार्मिकता और जीवनशैली की सजीव झलक देती हैं। जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर भगवान महावीर की प्रतिमाएं यहाँ प्रमुखता से दिखाई देती हैं। पर्यटन की दृष्टि से भी यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है। हर वर्ष हजारों पर्यटक इन गुफाओं को देखने आते हैं। यहाँ की पहाड़ी से भुवनेश्वर का विहंगम दृश्य भी देखने को मिलता है। इन गुफाओं की यात्रा का उत्तम समय अक्टूबर से मार्च तक माना जाता है, जब मौसम सुहावना और यात्रा के अनुकूल होता है।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ न केवल जैन धर्म की धार्मिक धरोहर हैं, बल्कि भारतीय स्थापत्य और शिल्प कला की भी गौरवशाली मिसाल हैं। इतिहास, संस्कृति और कला प्रेमियों के लिए यह स्थल एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

सुविचार

"ईमानदारी आपको मजबूत और भरोसेमंद बनाती है।"

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी 06:07-06:16 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी 08:27-09:18 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	5:47 AM	चन्द्रोदय	03:02 PM
सूर्यास्त	6:45 PM	चंद्रास्त	03:33 AM
सूर्य राशि	मेष राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:24 AM: 09:02 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

दो मई से शुरू हो रहा है ज्येष्ठ माह

तपती गर्मी में पुण्य कमाने का सुनहरा अवसर

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू पंचांग के अनुसार दो मई से ज्येष्ठ माह की शुरुआत हो रही है। यह महीना धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सूर्य देव और हनुमान जी को समर्पित होता है। भीषण गर्मी के बीच आने वाला यह महीना केवल तपन ही नहीं, बल्कि तप और पुण्य का भी प्रतीक है। मान्यता है कि इस दौरान किए गए दान–पुण्य और पूजा–पाठ से व्यक्ति को विशेष फल की प्राप्ति होती है।

ज्येष्ठ माह में सबसे अधिक महत्व जल दान का बताया गया है। चिलचिलाती गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। घर के बाहर मटका या घड़ा रखकर राहगीरों के लिए पानी की व्यवस्था करना न केवल सेवा है, बल्कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत फलदायी माना जाता है। इसके अलावा पंखा, जूते–चप्पल और सत्तू का दान भी इस महीने में विशेष महत्व रखता है।

इस माह में केवल मनुष्यों ही नहीं, बल्कि पशु–पक्षियों की सेवा भी जरूरी मानी गई है। पक्षियों के लिए दाना–पानी रखना और जानवरों के लिए पानी की व्यवस्था करना पुण्य कार्यों में गिना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से देवी–देवता प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख–समृद्धि आती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ज्येष्ठ माह में पूजा–पाठ का भी विशेष महत्व है। इस दौरान सूर्य देव को अर्घ्य देना, हनुमान जी की आराधना करना और भगवान विष्णु व वरुण देव की पूजा करना शुभ माना जाता है। साथ ही सात्विक भोजन करने की सलाह दी जाती है, जिससे शरीर और मन दोनों शुद्ध बने रहें।

हालांकि इस पावन महीने में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना भी जरूरी है। जैसे कि अत्यधिक मसालेदार भोजन से बचना चाहिए और पानी की बर्बादी बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। मान्यता है कि जल का अपमान करने से वरुण देव नाराज हो सकते हैं। इसके अलावा दोपहर में सोने से भी बचने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे स्वास्थ्य और भाग्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

ज्येष्ठ माह हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सेवा और संयम का मार्ग अपनाना ही सच्चा धर्म है। अगर इस महीने में नियमों का पालन करते हुए दान और पूजा की जाए, तो जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए अलग–अलग संकेत लेकर आया है, लेकिन कुल मिलाकर यह दिन संतुलन, धैर्य और सकारात्मक सोच बनाए रखने का संदेश देता है। कई राशियों के लिए यह दिन नए अवसर और सफलता लेकर आएगा, वहीं कुछ को अपने फैसलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

मेष राशि के जातकों को कल जल्दबाजी से बचने की सलाह दी गई है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना जरूरी होगा।

वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन काफी शुभ रहने वाला है, उन्हें मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन राशि के लिए कल का दिन रचनात्मकता और नए अवसर लेकर आएगा। आपके विचारों की सराहना हो सकती है।

कर्क राशि वालों को थोड़ा भावनात्मक संतुलन बनाए रखने की जरूरत है, क्योंकि कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं और खर्च भी बढ़ सकता है।

सिंह राशि के जातकों के लिए दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या राशि वालों को मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना होगा, तभी सफलता मिलेगी।

तुला राशि के लिए कल का दिन सामंजस्य और सहयोग का रहेगा, जिससे काम आसानी से पूरे होंगे।

वृश्चिक राशि वालों को धैर्य से काम लेना होगा और आर्थिक मामलों में सतर्क रहना जरूरी है।

धनु राशि के जातकों के लिए भाग्य का साथ मिलने के संकेत हैं, जिससे करियर और शिक्षा में सफलता मिल सकती है।

मकर राशि वालों को मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन निवेश सोच–समझकर करें।

कुंभ राशि के लिए नए अवसर सामने आ सकते हैं और संपर्कों से लाभ मिलेगा।

मीन राशि के जातकों के लिए दिन आध्यात्मिक और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा, योग और ध्यान से लाभ मिलेगा।

शिव कृपा पाने का उपाय: बेलपत्र पर दीपक जलाएं

यूनिक समय, मथुरा। बेलपत्र पर दीपक जलाना शिवजी की कृपा पाने का उपाय है। बेलपत्र त्रिदेव–ब्रह्मा, विष्णु और महेश–का प्रतीक है। इससे तीन समस्याएँ दूर होती हैं:

ग्रह दोष से राहत : ग्रहों के दोष से कार्यों में रुकावट, पारिवारिक कलह या आर्थिक हानि हो सकती है। बेलपत्र पर आटे का दीपक रखें और शिवलिंग के सामने जलाएं। 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप नकारात्मक ऊर्जा हटाकर सकारात्मकता लाता है।

वास्तु दोष में शांति : घर में अशांति, तनाव या आर्थिक तंगी वास्तु दोष का लक्षण है।

मिट्टी के दीपक में तिल का तेल भरकर बेलपत्र पर रखकर शिवलिंग के सामने जलाएं और 'ॐ सर्वात्मने नमः' मंत्र का 108 बार उच्चारण करें। इससे वातावरण शुद्ध होता है और घर में शांति व समृद्धि आती है।

दीर्घकालीन रोगों से मुक्ति : यदि दीर्घकालीन बीमारी बनी रहे, तो बेलपत्र पर घी का दीपक रखकर जलाएं और महामृत्युंजय मंत्र 'त्र्यम्बकं यजामहे...' का पाठ करें। यह उपाय शरीर में ऊर्जा संचारित कर रोग–प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह साधना सुबह या शाम के शुभ समय में करें। दीपक और सामग्री शुद्ध व ताजी होनी चाहिए। श्रद्धा से करने पर शिवजी की अनुकम्पा मिलती है और सकारात्मक परिवर्तन होते हैं।

ऋषिकेश का रहस्य: कैसे भगवान विष्णु के वरदान से पड़ा इसका नाम?

यूनिक समय, मथुरा। उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर और हिमालय की गोद में बसा ऋषिकेश आज दुनियाभर में योग, ध्यान और अध्यात्म का प्रमुख केंद्र माना जाता है। लेकिन इस आध्यात्मिक नगरी का इतिहास केवल ध्यान और योग तक सीमित नहीं है। इसके पीछे छुपा है एक दिव्य रहस्य और भगवान विष्णु का वरदान, जिसने इस नगर को 'ऋषिकेश' नाम दिया।

संस्कृत शब्दों 'हृषिक' (इंद्रियां) और 'ईश' (स्वामी) से मिलकर बना है 'हृषिकेश'– अर्थात इंद्रियों के स्वामी, भगवान विष्णु। प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार, एक महान तपस्वी रैभ्य ऋषि ने इस क्षेत्र में कठोर तपस्या

की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं भगवान विष्णु वृद्ध ब्राह्मण के रूप में प्रकट हुए और वरदान देने को कहा। रैभ्य ऋषि ने सांसारिक सुखों की बजाय मांग की कि यह भूमि सदा के लिए भगवान विष्णु के नाम से जानी जाए। भगवान ने तथास्तु कहा और तभी से इस स्थान का नाम 'हृषिकेश' पड़ा, जो आगे चलकर 'ऋषिकेश' कहलाया।

धार्मिक दृष्टि से ऋषिकेश का महत्व अत्यधिक है।

त्रेतायुग में भगवान राम के अनुज भरत द्वारा स्थापित भरत मंदिर इस क्षेत्र का सबसे पुराना मंदिर माना जाता है। इसमें भगवान विष्णु की शालीग्राम से बनी मूर्ति है, जिसे आदि शंकराचार्य ने पुनः प्रतिष्ठित किया था। लक्ष्मण झूला और राम झूला जैसे स्थल रामायण काल से जुड़े हैं। ऐसा माना जाता है कि लक्ष्मण ने यहां गंगा नदी पर जूट का पुल बनाकर पार किया था, उसी स्थान पर अब प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला बना है।

आज का ऋषिकेश न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि वैश्विक स्तर पर योग और वेलनेस टूरिज्म का हब बन चुका है। शांत वातावरण, आध्यात्मिक ऊर्जा और दिव्यता से भरपूर इस नगरी का हर कोना किसी ना किसी पौराणिक कथा से जुड़ा है। ऋषिकेश की यह विरासत न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व को एक आध्यात्मिक संदेश देती है - संयम, साधना और सेवा का। यही कारण है कि हर वर्ष हजारों साधक, पर्यटक और योग प्रेमी यहां की ऊर्जा को अनुभव करने आते हैं।

सम्पादकीय

रिकॉर्ड मतदान से लोकतंत्र की नई मजबूती

भारत के चुनावी इतिहास में इस बार का मतदान एक नए अध्याय की तरह सामने आया है। असम, केरल और पुडुचेरी के बाद पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने यह संदेश दिया है कि भारतीय लोकतंत्र न केवल जीवंत है, बल्कि लगातार परिपक्व भी हो रहा है। मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि जनता अब अपने मताधिकार को केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देख रही है। पश्चिम बंगाल में कुछ स्थानों पर राजनीतिक झड़पें और हिंसक घटनाएं लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय अवश्य हैं, लेकिन इन घटनाओं के बीच भी बड़ी संख्या में लोगों का शांतिपूर्ण मतदान करना एक सकारात्मक संकेत है। दूसरी ओर, तमिलनाडु में एक ही चरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ मतदान यह बताता है कि राजनीतिक संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था मिलकर चुनावी प्रक्रिया को कितनी सहज बना सकते हैं।

पवन गौतम
संपादक

चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। जिन परिस्थितियों में पहले हिंसा और तनाव की आशंका रहती थी, वहां अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान संपन्न होना संस्थागत मजबूती को दर्शाता है। यह लोकतंत्र की उस संरचना को मजबूत करता है जिसमें मतदाता भय से मुक्त होकर अपने निर्णय को दर्ज कर सके। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रिकॉर्ड मतदान किसी एक राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में ही नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे लोकतांत्रिक जागरूकता के विस्तार के रूप में समझना चाहिए। जब अधिक लोग मतदान केंद्र तक पहुंचते हैं, तो यह संकेत होता है कि जनता राजनीतिक प्रक्रियाओं से जुड़ रही है और अपने भविष्य को लेकर अधिक सजग हो रही है। हालांकि, यह भी सच है कि भारतीय चुनावी व्यवस्था अभी कई सुधारों की मांग करती है। चुनावी खर्च, अपराधीकरण की समस्या और लंबे चुनावी चरणों की संरचना पर गंभीर विचार की आवश्यकता है। "एक देश, एक चुनाव" जैसे प्रस्तावों पर व्यापक सहमति बनाना समय की मांग है, ताकि संसाधनों की बचत के साथ-साथ शासन व्यवस्था भी अधिक प्रभावी बन सके। भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति इसकी विविधता और भागीदारी है। समय के साथ यह व्यवस्था बैलेट पेपर से ईवीएम तक और अब डिजिटल पारदर्शिता की दिशा में आगे बढ़ी है। यह यात्रा केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक परिपक्वता की भी कहानी है। अंततः, रिकॉर्ड मतदान केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि एक संदेश है—जनता जागरूक है, लोकतंत्र मजबूत है और भारत अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं को लगातार और अधिक सुदृढ़ कर रहा है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

आम आदमी पार्टी में बढ़ता संकट और नेतृत्व सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

आम आदमी पार्टी भारतीय राजनीति में पिछले एक दशक से एक ऐसे विकल्प के रूप में उभरी, जिसने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की जमीन से निकलकर सत्ता तक का सफर तय किया। दिल्ली में सरकार बनाने से लेकर पंजाब में सत्ता हासिल करने तक इस पार्टी ने तेजी से अपना विस्तार किया। लेकिन जैसे-जैसे संगठन बड़ा हुआ, वैसे-वैसे उसके भीतर नेतृत्व, निर्णय प्रक्रिया और आंतरिक लोकतंत्र को लेकर सवाल भी गहराते चले गए।

आज जब राजनीतिक परिदृश्य लगातार बदल रहा है, तब यह चर्चा तेज है कि क्या आम आदमी पार्टी अपने मूल विचारों और संगठनात्मक ढांचे को उसी मजबूती से संभाल पा रही है, जिसके दम पर उसने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी जगह बनाई थी? और क्या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आसपास केंद्रीकरण की प्रवृत्ति ने संगठन के भीतर असंतोष या दूरी को जन्म दिया है?

आम आदमी पार्टी की शुरुआत एक जनआंदोलन के रूप में हुई थी, जिसका मूल उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक विकल्प देना था। शुरुआती दौर में पार्टी ने कई ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाया जो सामाजिक आंदोलनों, प्रशासनिक सुधारों और वैकल्पिक राजनीति की सोच से जुड़े थे। लेकिन समय के साथ जब पार्टी ने चुनावी राजनीति में कदम रखा, तो संगठन का स्वरूप बदलने लगा। चुनावी सफलता के साथ सत्ता प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ बढ़ीं और निर्णय प्रक्रिया अधिक केंद्रीकृत होती चली गई। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसी बदलाव ने पार्टी के भीतर विभिन्न स्तरों पर असंतोष और बहस को जन्म दिया।

भारतीय राजनीति में यह एक सामान्य प्रवृत्ति रही है कि कई क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों में नेतृत्व एक या कुछ ही व्यक्तियों के इर्द-गिर्द केंद्रित हो जाता है। आम आदमी पार्टी भी इस प्रवृत्ति से अछूती नहीं रही है। पार्टी के भीतर यह सवाल अक्सर उठता रहा है कि क्या संगठनात्मक निर्णयों में पर्याप्त आंतरिक लोकतंत्र मौजूद है? क्या महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसले सामूहिक चर्चा के बजाय सीमित नेतृत्व तक ही सीमित रहते हैं? और क्या इससे पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की भूमिका प्रभावित होती है?

इन सवालों का सीधा उत्तर देना आसान नहीं है, क्योंकि पार्टी के भीतर कई बार यह भी देखा गया है कि संकट के समय संगठन ने एकजुट होकर बेहतर प्रदर्शन किया है। लेकिन यह भी सच है कि लंबे समय तक एक ही नेतृत्व संरचना में रहने से नई नेतृत्व पीढ़ी के उभरने की गति धीमी हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों में यह चर्चा समय-समय पर उठती रही है कि पार्टी के भीतर कुछ नेताओं के बीच विचारों का अंतर बढ़ा है। हालांकि इसे सीधे तौर पर "टूट" या "विभाजन" कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि भारतीय राजनीति में नेताओं का आना-जाना, विचारों का टकराव और संगठनात्मक पुनर्संयोजन एक सामान्य प्रक्रिया है। राजनीतिक दलों में अक्सर रणनीति, गठबंधन, टिकट वितरण और संगठन विस्तार जैसे मुद्दों पर मतभेद उभरते हैं। लेकिन यह कहना कि संगठन पूरी तरह संकट में है, एक अतिशयोक्ति होगी। किसी भी आंदोलन आधारित राजनीतिक दल के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वह सत्ता में आने के बाद अपने मूल विचारों और आंदोलनकारी चरित्र को कैसे बनाए रखे। आम आदमी पार्टी के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। सत्ता में आने के बाद प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ, गठबंधन की राजनीति और राज्य-स्तरीय विस्तार ने पार्टी को एक नए राजनीतिक ढांचे में ढाल दिया है। इस प्रक्रिया में कई बार ऐसा होता है कि संगठन का ध्यान नीति और विचारधारा से अधिक प्रशासन और चुनावी रणनीति पर केंद्रित हो जाता है। यही वह बिंदु है जहाँ से आंतरिक असंतोष और आलोचना जन्म लेती है। भारतीय राजनीति में यह भी एक वास्तविकता है कि किसी भी सफल क्षेत्रीय दल पर विपक्षी दलों का दबाव लगातार बना रहता है। राजनीतिक रणनीतियों, चुनावी प्रतिस्पर्धा और मीडिया विमर्श के माध्यम से संगठन की छवि और एकजुटता पर प्रभाव डाला जाता है। आम आदमी पार्टी भी इस राजनीतिक वातावरण से प्रभावित रही है। कई बार इसे लेकर यह धारणा बनाई जाती है कि संगठन में संकट है, जबकि वास्तविकता अक्सर अधिक जटिल और बहुआयामी होती है।

पार्टी के भीतर या बाहर समय-समय पर यह सवाल उठता है कि क्या नेतृत्व में बदलाव या जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण संगठन को और मजबूत बना सकता है? राजनीतिक दलों में नेतृत्व परिवर्तन एक संवेदनशील मुद्दा होता है। यह केवल व्यक्ति का प्रश्न नहीं होता, बल्कि संगठन की दिशा, नीति और भविष्य की रणनीति से जुड़ा होता है। यदि किसी दल में लंबे समय तक एक ही नेतृत्व रहता है, तो यह स्थिरता भी दे सकता है और साथ ही नए विचारों के प्रवेश में बाधा भी बन सकता है। इसी संतुलन को साधना किसी भी राजनीतिक संगठन के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है।

आम आदमी पार्टी के सामने आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन नेता है या कौन नहीं, बल्कि यह है कि संगठन अपने मूल उद्देश्यों के साथ कितनी मजबूती से जुड़ा रह पाता है। क्या पार्टी अपने शुरुआती आंदोलनकारी चरित्र को बनाए रखेगी, या पूरी तरह चुनावी और प्रशासनिक ढांचे में ढल जाएगी? क्या संगठन में नई पीढ़ी के नेताओं को अधिक अवसर मिलेगा? और क्या निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सामूहिक बनेगी?

भारतीय राजनीति में कोई भी दल स्थायी रूप से स्थिर नहीं रहता। समय, परिस्थितियाँ और जनता की अपेक्षाएँ लगातार बदलती रहती हैं। आम आदमी पार्टी भी इसी परिवर्तनशील राजनीतिक यात्रा का हिस्सा है। आज जरूरत इस बात की है कि संगठन आत्ममंथन करे, आंतरिक संवाद को मजबूत बनाए और नेतृत्व के साथ-साथ सामूहिक निर्णय प्रक्रिया को भी महत्व दे। केवल इसी रास्ते से कोई भी राजनीतिक दल दीर्घकालिक रूप से मजबूत रह सकता है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आम आदमी पार्टी इन चुनौतियों को अवसर में बदल पाती है या नहीं।

विचार विण्डो

झालमुरी और फिश करी से बदली राजनीति

राम प्रकाश शर्मा

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से केवल चुनावी मुकाबलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह संस्कृति, पहचान और भावनात्मक जुड़ाव का भी मैदान रही है। इस बार के चुनावी परिदृश्य में एक नया और दिलचस्प पहलू उभरकर सामने आया है—राजनीति में भोजन का उपयोग एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में किया जाना। झालमुरी और फिश करी जैसे स्थानीय व्यंजनों ने न केवल प्रचार अभियानों को नया रंग दिया है, बल्कि राजनीतिक संदेशों को भी अधिक प्रभावी बनाने का काम किया है।

लंबे समय से पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक प्रमुख विमर्श "बाहरी बनाम स्थानीय" रहा है। यह मुद्दा केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मतदाताओं की भावनाओं और पहचान से गहराई से जुड़ा रहा है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए स्थानीय संस्कृति और खानपान को अपनाने की कोशिश की है, ताकि यह धारणा कमजोर हो कि पार्टी राज्य से बाहर की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सार्वजनिक कार्यक्रम में झालमुरी खाना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। झालमुरी, जो बंगाल का एक बेहद लोकप्रिय और सर्वसुलभ स्नैक है, केवल भोजन नहीं बल्कि आम जनजीवन का हिस्सा है। इसे अपनाकर पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की कि वह बंगाल की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव रखती है। दूसरी ओर, पार्टी के अन्य नेताओं द्वारा मछली जैसे पारंपरिक बंगाली भोजन को अपनाना भी इसी रणनीति का विस्तार है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बदलाव केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक सोची-समझी चुनावी रणनीति का हिस्सा है। बंगाल में भोजन केवल स्वाद का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मछली, चावल और स्थानीय स्नैक्स बंगाली जीवनशैली की आत्मा माने जाते हैं। ऐसे में जब कोई राजनीतिक दल इन प्रतीकों को अपनाता है, तो वह मतदाताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने की कोशिश करता है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इस तरह के प्रतीकात्मक प्रयासों की सीमाएँ भी होती हैं। मतदाता केवल भोजन या सांस्कृतिक

प्रतीकों से ही प्रभावित नहीं होते, बल्कि उनके सामने रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे वास्तविक मुद्दे भी होते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केवल सांस्कृतिक जुड़ाव के जरिए राजनीतिक धारणा को पूरी तरह बदला जा सकता है?

पश्चिम बंगाल में "बाहरी" की अवधारणा केवल भौगोलिक नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, भाषाई और सांस्कृतिक परतों से जुड़ी हुई है। इस राज्य में राजनीतिक दलों को अक्सर यह साबित करना पड़ता है कि वे स्थानीय समाज की संवेदनाओं को समझते हैं। यही कारण है कि हर चुनाव में सांस्कृतिक प्रतीकों का उपयोग बढ़ जाता है। पहले जहां यह भूमिका भाषा और साहित्य निभाते थे, वहीं अब भोजन इस स्थान को तेजी से भर रहा है। भोजन को राजनीति से जोड़ने की यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन इस बार इसका दायरा और प्रभाव दोनों अधिक दिखाई दे रहे हैं। चुनावी रैलियों और प्रचार अभियानों में स्थानीय व्यंजनों को प्रमुखता देना, मीडिया कवरेज में उन्हें जगह मिलना और सोशल मीडिया पर इन क्षणों का वायरल होना—यह सब मिलकर एक नया राजनीतिक नैरेटिव बना रहे हैं।

यह भी देखा जा रहा है कि मीडिया कवरेज में भोजन से जुड़े दृश्य काफी प्रमुखता से दिखाए जा रहे हैं। किसी नेता का स्थानीय भोजन खाते हुए चित्र या वीडियो तुरंत चर्चा का विषय बन जाता है। यह राजनीतिक संचार का एक नया तरीका बन चुका है, जहाँ संदेश सीधे भाषणों से नहीं बल्कि सांस्कृतिक व्यवहार से दिया जा रहा है।

हालांकि विशेषज्ञ यह भी चेतावनी देते हैं कि यदि राजनीति केवल प्रतीकात्मकता तक सीमित हो जाए और वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाएं, तो यह लोकतांत्रिक बहस को कमजोर कर सकता है।

भोजन और संस्कृति को जोड़ना एक सकारात्मक प्रयास हो सकता है, लेकिन इसे विकास और नीति आधारित चर्चा का विकल्प नहीं माना जा सकता।

भाजपा की रणनीति को लेकर समर्थक इसे एक "सांस्कृतिक अनुकूलन" के रूप में देखते हैं, जबकि आलोचक इसे केवल "इमेज मैनेजमेंट" मानते हैं। दोनों दृष्टिकोणों में कुछ न कुछ सच्चाई है। राजनीति में प्रतीक हमेशा महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता तब बढ़ती है जब वे जमीनी नीतियों के साथ जुड़े हों।

पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास बताता है कि यहाँ मतदाता काफी सजग और मुद्दा-आधारित होते हैं। यहाँ विचारधारा, संगठन और नेतृत्व के साथ-साथ स्थानीय जुड़ाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में किसी भी दल के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल प्रतीकों पर निर्भर न रहे, बल्कि ठोस नीतिगत प्रस्ताव भी प्रस्तुत करे। इस पूरे परिदृश्य में झालमुरी और फिश करी केवल भोजन नहीं रहे, बल्कि राजनीतिक संदेशों के वाहक बन गए हैं। यह एक ऐसे दौर का संकेत है जहाँ राजनीति और संस्कृति एक-दूसरे से और अधिक गहराई से जुड़ते जा रहे हैं। लेकिन अंतिम निर्णय जनता के हाथ में है कि वह इस सांस्कृतिक जुड़ाव को कितना महत्व देती है और वास्तविक मुद्दों को कितना प्राथमिकता देती है।

चेपॉक का खेल : रन बरसेंगे या स्पिनर मचाएंगे धमाल?

यूनिक समय, चेन्नई। आईपीएल 2026 का 37वां मुकाबला आज चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच एम ए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस सीजन अब तक 7–7 मैच खेल चुकी हैं और तीन–तीन जीत के साथ बराबरी पर हैं, ऐसे में यह मुकाबला पॉइंट्स टेबल में आगे बढ़ने के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

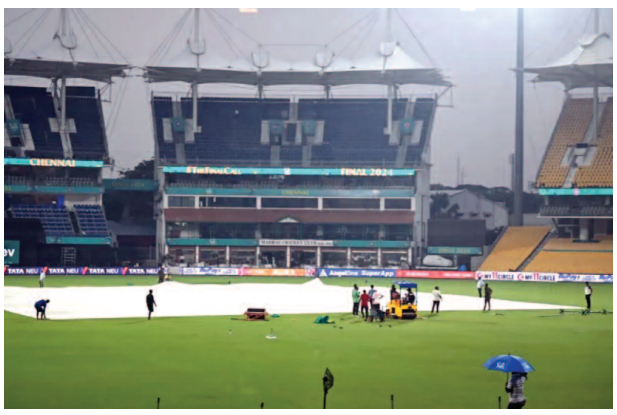

चेन्नई की पिच, जिसे आमतौर पर "चेपॉक" के नाम से जाना जाता है, हमेशा से अपने स्पिन फ्रेंडली स्वभाव के लिए मशहूर रही है। इस मैदान पर गेंदबाजों, खासकर स्पिनर्स को काफी मदद मिलती है। हालांकि, इस बार की पिच का मिजाज थोड़ा संतुलित नजर आ रहा है, जहां बल्लेबाज भी खुलकर रन बना सकते हैं। दिन में खेले जाने वाले इस मुकाबले में गर्मी और उमस खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। पिच रिपोर्ट के अनुसार, मैच के शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजों को गेंद अच्छे से बैट पर आती दिखेगी, जिससे वे तेजी से रन बना सकते हैं। लेकिन जैसे–जैसे मैच आगे बढ़ेगा, पिच धीमी होती जाएगी और स्पिन गेंदबाजों का प्रभाव बढ़ सकता है। खासतौर पर दूसरी पारी में स्पिनर्स मैच का रुख बदल सकते हैं। इस सीजन चेपॉक में अब तक खेले गए मुकाबलों पर नजर डालें तो पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को ज्यादा सफलता मिली है। ऐसे में टॉस जीतने वाला कप्तान पहले बल्लेबाजी करने का फैसला ले सकता है। इस मैदान पर औसत स्कोर करीब 165 रन का है, जबकि हाईएस्ट स्कोर 246 रन तक पहुंच चुका है, जो बताता है कि अगर बल्लेबाज सेट हो जाएं तो बड़ा स्कोर भी संभव है।

चेन्नई सुपर किंग्स की ताकत उनकी स्पिन गेंदबाजी मानी जाती है, जो इस पिच पर उन्हें बढ़त दिला सकती है। वहीं गुजरात टाइटंस के पास भी मजबूत बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाज हैं, जो किसी भी स्थिति में मैच का रुख बदल सकते हैं। कुल मिलाकर, चेपॉक की पिच इस मुकाबले में संतुलित भूमिका निभा सकती है। शुरुआत में बल्लेबाज हावी रहेंगे, लेकिन अंत तक स्पिनर्स का जलवा देखने को मिल सकता है। ऐसे में यह मुकाबला रणनीति, धैर्य और सही समय

कलाकार को जोकर मत बनाओ के बयान पर छिड़ी बहस

मंच पर भड़के मशहूर गायक कैलाश खेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मशहूर गायक कैलाश खेर एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका कोई नया गाना नहीं, बल्कि एक मंच पर दिया गया उनका तीखा बयान है। दिल्ली में आयोजित एक अवॉर्ड शो के दौरान जब उनसे दो लाइनें गाने की गुजारिश की गई, तो उन्होंने न सिर्फ मना किया बल्कि इस मांग पर कड़ी आपत्ति भी जताई।

कैलाश खेर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कलाकारों को इस तरह "मूड बनाने" के लिए कहना गलत है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, "कलाकार को जोकर मत बनाइए। यह कोई मनोरंजन का बटन नहीं है कि आपने कहा और तुरंत गा दिया।" उनका मानना है कि संगीत एक साधना है और कलाकार साधक होता है, जिसे सम्मान के साथ देखा जाना चाहिए।

अपने तर्क को मजबूत करते हुए उन्होंने उदाहरण भी दिया।

खेर ने कहा कि जैसे कोई सचिन तेंदुलकर से यूं ही छक्का मारने के लिए नहीं कहता या किसी सैनिक से अचानक गोली चलाने को नहीं कहता, उसी तरह गायकों से भी इस तरह की मांग नहीं करनी चाहिए। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और देखते ही देखते बहस का विषय बन गया।इस बयान पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी दो हिस्सों में बंटी नजर आईं। एक वर्ग ने कैलाश खेर का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने कलाकारों के सम्मान की बात उठाई है, जो जरूरी है।

कई लोगों ने इसे "दमदार जवाब" बताते हुए सराहना की और कहा कि कलाकारों को केवल मनोरंजन का साधन समझना गलत है।

वहीं दूसरी ओर, कुछ लोगों ने उनकी आलोचना भी की। उनका कहना है कि अगर कलाकार दो लाइन गाकर किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है, तो इसमें हर्ज क्या है। कुछ यूजर्स ने यह भी सवाल उठाया कि बड़े आयोजनों या खास लोगों के सामने कलाकार अक्सर गाने से इनकार नहीं करते।

बहरहाल, यह पूरा मामला एक बड़े सवाल को जन्म देता है–क्या कलाकारों से हर मंच पर प्रदर्शन की अपेक्षा करना सही है? या फिर उन्हें भी अपने काम और कला के लिए वही सम्मान मिलना चाहिए, जो अन्य पेशों को मिलता है? कैलाश खेर का यह बयान भले ही विवाद खड़ा कर रहा हो, लेकिन इसने कला और कलाकार के सम्मान को लेकर एक जरूरी बहस जरूर छेड़ दी है।

सुनीता आहूजा का चौंकाने वाला बयान

मुझे गोविंदा जैसा बेटा चाहिए, पति नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा एक बार फिर चचा में हैं। इस बार वजह सुनीता का एक बेबाक बयान है, जिसमें उन्होंने अपनी करीब 40 साल पुरानी शादी को लेकर खुलकर बात की है।

हाल ही में एक बातचीत के दौरान सुनीता आहूजा ने कहा कि उन्हें गोविंदा जैसा बेटा चाहिए, लेकिन पति नहीं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया और फिल्मी गलियारों में हलचल मचा दी है। सुनीता ने यह भी कहा कि गोविंदा एक बेहतरीन बेटे और पिता हैं, लेकिन एक पति के रूप में वह उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतर पाए।

उन्होंने अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात करते हुए बताया कि एक समय ऐसा था जब फिल्म इंडस्ट्री में अफेयर की खबरें आम बात मानी जाती थीं और लोग इन्हें ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते थे। सुनीता का मानना है कि अगर रिश्ते में भरोसा मजबूत हो, तो ऐसी बातें ज्यादा असर नहीं डालतीं।

सुनीता ने अपनी निजी जिंदगी के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें घूमना–फिरना, पार्टी करना और छुट्टियां मनाना पसंद था, लेकिन गोविंदा ज्यादातर समय परिवार और काम में व्यस्त रहे। इस वजह से वह अपनी जिंदगी को खुलकर एंजॉय नहीं कर पाईं। उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्टार होने के बावजूद गोविंदा अपनी जिंदगी को उस तरह नहीं जी पाए, जैसा वह चाहते थे। हालांकि, इतने सालों बाद भी सुनीता ने यह साफ कर दिया कि अब इस रिश्ते को लेकर कोई बड़ा फैसला लेने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि 40 साल की शादी के बाद अलग होने का कोई मतलब नहीं है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा ने 11 मार्च 1987 को शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं। सुनीता इन दिनों सोशल मीडिया और अपने बयानों के चलते लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं।

वैभव सूर्यवंशी की चोट से आरआर की बढ़ी चिंता

अगले मैच में खेलेंगे या नहीं, सस्पेंस बरकरार

यूनिक समय, नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी की फिटनेस को लेकर राजस्थान रॉयल्स के फैंस के बीच चिंता बढ़ गई है। राजस्थान रॉयल्स के इस स्टार बल्लेबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 38 गेंदों में 103 रन की तूफानी पारी खेली। हालांकि, मैच के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग की समस्या का सामना करना पड़ा, जिससे टीम की चिंता बढ़ गई है।

बल्लेबाजी के बाद जब सूर्यवंशी फील्डिंग के लिए मैदान पर उतरे, तो वह असहज नजर आए। तीसरे ओवर के दौरान अचानक उन्होंने अपनी हैमस्ट्रिंग पकड़ ली और लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। फिजियो और सपोर्ट स्टाफ की मदद से उन्हें तुरंत बाहर ले जाया गया और इसके बाद वह फील्डिंग के लिए वापस नहीं लौटे।

मैच के बाद टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने उनकी चोट को लेकर राहत भरी खबर दी। उन्होंने बताया कि सूर्यवंशी को हल्की हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन महसूस हुई थी, लेकिन स्थिति ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। उनका इलाज किया गया है और अगले एक–दो दिनों में उनकी फिटनेस को लेकर पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। इस बयान से यह संकेत जरूर मिला है कि सूर्यवंशी अगले मैच तक फिट हो सकते हैं, लेकिन अंतिम फैसला मेडिकल टीम की रिपोर्ट पर निर्भर करेगा।

राजस्थान रॉयल्स का अगला मुकाबला 28 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ है, जो इस समय शानदार फॉर्म में चल रही है। पंजाब ने लगातार जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में मजबूत स्थिति बना ली है। ऐसे में अगर सूर्यवंशी इस मैच से बाहर रहते हैं, तो राजस्थान की बल्लेबाजी पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है।

इस सीजन में सूर्यवंशी टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरे हैं और रन बनाने में सबसे आगे हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने कई मैचों में टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया है। ऐसे में उनकी फिटनेस टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है।

पॉइंट्स टेबल की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स ने सीजन की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी, लेकिन हाल के मैचों में टीम को कुछ झटके लगे हैं। फिलहाल टीम 8 मैचों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। अब सभी की नजरें सूर्यवंशी की फिटनेस अपडेट पर टिकी हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी ही राजस्थान की जीत की उम्मीदों को मजबूत कर सकती है।

कॉमेडी–सटायर से भरपूर 'डुग डुग' का ट्रेलर रिलीज, कहानी ने खींचा ध्यान

यूनिक समय, नई दिल्ली। । निर्देशक ऋत्विक प्रतीक की फिल्म 'डुग डुग' का ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। यह फिल्म कॉमेडी और सटायर के जरिए एक अनोखी कहानी पेश करती है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म को अनुराग कश्यप, निखिल आडवाणी, विक्रमादित्य मोटवानी और वसन बाला जैसे दिग्गजों का सपोर्ट मिला है।

ट्रेलर की शुरुआत एक सड़क हादसे से होती है, जिसमें एक बाइक सवार की मौत हो जाती है। इसके बाद कहानी में दिलचस्प मोड़ आता है, जब वही बाइक बार–बार अपने आप उसी जगह पहुंच जाती है। धीरे–धीरे गांव के लोग इस घटना को चमत्कार मानकर

बाइक की पूजा करने लगते हैं। फिल्म इसी अंधविश्वास और सामाजिक सोच पर हल्के–फुल्के अंदाज में कटाक्ष करती है।

सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें अल्ताफ खान, गौरव सोनी और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

बुलंदशहर में केक विवाद बना तिहरा हत्याकांड

केक लगाने पर भड़का बर्थडेबॉय तीन की गोली मारकर की हत्या

यूनिक समय, बुलंदशहर। खुर्जा क्षेत्र के आरजेएस फिटनेस जिम में शनिवार रात एक जन्मदिन पार्टी उस समय खूनी वारदात में बदल गई, जब मामूली विवाद के बाद बर्थडे बॉय और उसके साथियों ने तीन युवकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। घटना में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार, जिम में जन्मदिन का जश्न चल रहा था। इसी दौरान भाजपा नेता के चचेरे भाई ने आरोपी के चेहरे पर केक लगा दिया, जिससे वह भड़क गया। पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से मनीष सैनी (30), आकाश सैनी (19) और अमरदीप सैनी (32) की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों आपस में रिश्तेदार थे।

मुख्य आरोपी जीतू सैनी, जो पूर्व बसपा नगर अध्यक्ष रह चुका है, वारदात के बाद साथियों सहित फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, उसने मयंक सैनी की पिस्टल से फायरिंग की और जाते समय सीसीटीवी का डीवीआर भी साथ ले गया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। करीब 10 थानों की पुलिस और 100 से अधिक जवानों ने क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। एहतियातन बाजार बंद कराए गए हैं और जगह-जगह बैरिकेडिंग कर निगरानी की जा रही है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतकों के परिजन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अमरदीप की पत्नी सिमरन ने घटना को सुनियोजित बताया और न्याय की गुहार लगाई।

वहीं बहन राधा ने गुस्से में "खून के बदले खून" की मांग करते हुए आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। मनीष की बहन रजनी ने भी मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है। पुलिस ने इस मामले में जीतू और मयंक समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अब तक 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। शासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसआईटी का गठन किया है। जांच की जिम्मेदारी आईपीएस अधिकारी अंतरिक्ष जैन को सौंपी गई है। साथ ही स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे हैं और 48 घंटे में रिपोर्ट तलब की गई है।

बर्थडे पार्टी में चलीं ताबड़तोड़ गोलियां

मुख्य आरोपी फरार पुलिस तलाश में जुटी

परिजनों की इंसाफ की मांग तेज

आगरा दौरे पर मंत्री पीयूष गोयल

विदेशी डेलीगेशन के संग किया ताजमहल का दीदार

यूनिक समय, आगरा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार सुबह विदेशी डेलीगेशन के साथ ताजमहल का दौरा किया। उन्होंने सूर्योदय के समय ताजमहल का दीदार किया और गाइड से इसके इतिहास व पच्चीकारी की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने डायना बेंच पर फोटो भी खिंचवाए। मंत्री इसके बाद होटल अमर विलास में जूता, फार्मा और आयुष सेक्टर से जुड़े निर्यातकों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में निर्यात बढ़ाने और उद्योग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के बाद मंत्री दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

यूपी होमगार्ड परीक्षा का दूसरा दिन

कानपुर में नकल गिरोह का भंडाफोड़

लखनऊ में हादसे में अभ्यर्थी की मौत

यूनिक समय, प्रयागराज/कानपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 42 हजार होमगार्ड पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा दूसरे दिन भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जारी रही। प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को सख्त चेकिंग के बाद ही प्रवेश दिया गया, जिसमें रेटिना स्कैन और बायोमेट्रिक जांच शामिल रही।

दूसरे दिन कानपुर में नकल कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने केमेस्ट्री के एक लेक्चर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से परीक्षा में नकल कराने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए प्रिंटर और अन्य उपकरणों के साथ एनसीसी के बंद क्लासरूम में सवालों के जवाब तैयार किए जा रहे थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

वहीं लखनऊ में परीक्षा देने जा रहे एक अभ्यर्थी की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान बाराबंकी निवासी अनुभव सिंह के रूप में हुई है, जो अपने चचेरे भाई के साथ बाइक से परीक्षा केंद्र जा रहे थे। हादसे में उसका भाई घायल हो गया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया, क्योंकि उसी दिन उसकी बहन की विदाई भी होनी थी।

भर्ती बोर्ड के अनुसार, पहले दिन 75 जिलों के 1053 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में करीब 25 प्रतिशत अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। कुल 8,44,066 अभ्यर्थियों के मुकाबले 6,35,856 (75.33%) ने परीक्षा दी। इस भर्ती के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा 2 घंटे की है और 100 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जा रहे हैं।

प्रयागराज में डीएम और पुलिस अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं वाराणसी और गोरखपुर में अभ्यर्थियों ने पेपर का स्तर कठिन बताया। प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए कड़े इंतजाम किए हैं।

लखनऊ में भव्य पासिंग आउट परेड

यूपी पुलिस को मिले 60 हजार नए सिपाही

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस को रविवार को 60,244 नए सिपाहियों की बड़ी सौगात मिली। प्रदेशभर के 112 प्रशिक्षण केंद्रों पर पासिंग आउट परेड के बाद ये सिपाही अब जिलों में अपनी ड्यूटी संभालेंगे। राजधानी लखनऊमें आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुली जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया और महिला जवानों की सलामी ली।

कार्यक्रम के दौरान कॉन्स्टेबल नेहा यादव को 'बेस्ट कैडेट' का सम्मान दिया गया। मुख्यमंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि यूनिफॉर्म की सबसे बड़ी ताकत अनुशासन है और प्रशिक्षण में बहाया गया पसीना भविष्य में चुनौतियों को कम करता है। उन्होंने महिला जवानों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बेटियों ने अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। उनके अनुसार, अब यूपी में "गुंडा टैक्स" और वसूली जैसी समस्याएं खत्म हो चुकी हैं और अपराधियों के मन में पुलिस का भय है। उन्होंने जवानों को यह भी संदेश दिया कि अपराधियों के प्रति कठोर और आम नागरिकों के प्रति संवेदनशील रहना ही एक अच्छे पुलिसकर्मी की पहचान है।

भर्ती प्रक्रिया अक्टूबर 2023 में शुरू हुई थी, जिसमें लाखों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। लिखित परीक्षा, फिजिकल टेस्ट और अंतिम चयन के बाद कुल 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी गई, जिनमें बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं।

सरकार के अनुसार, महिला पुलिस बल की भागीदारी में लगातार वृद्धि हुई है और अब यह करीब 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। साथ ही पुलिस बल को आधुनिक तकनीकों और साइबर अपराध से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश पुलिस एक स्मार्ट और सक्षम बल के रूप में उभर रही है।

"क्रिप्टो करेंसी की दौड़ में यूपी सबसे आगे

26-35 के युवा बना रहे डिजिटल दौलत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में क्रिप्टोकरेंसी निवेश को लेकर दिलचस्प ट्रेंड सामने आया है। कॉइनस्विच की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी देश में 12.9 फीसदी हिस्सेदारी के साथ क्रिप्टो निवेश में नंबर वन बन गया है। खास बात यह है कि 26 से 35 वर्ष के युवा इस डिजिटल निवेश क्रांति के सबसे बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। इस आयु वर्ग की हिस्सेदारी करीब 48 प्रतिशत बताई गई है, जो दिखाती है कि नई पीढ़ी तेजी से पारंपरिक निवेश विकल्पों से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 35 से 55 वर्ष के निवेशकों की भागीदारी में भी तेजी आई है। यह वर्ग पहले सुरक्षित निवेश जैसे एफडी, म्यूचुअल फंड या सोने में पैसा लगाता है और वहां से मिलने वाले मुनाफे को अब क्रिप्टो में ट्रांसफर कर रहा है। इससे साफ है कि क्रिप्टो बाजार अब केवल युवाओं का प्रयोग नहीं, बल्कि एक संतुलित निवेश विकल्प बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि युवा निवेशक जहां जोखिम लेकर नए अवसर तलाशते हैं, वहीं अधिक उम्र के निवेशक स्थिरता और नियमों की स्पष्टता देखकर बाजार में उतरते हैं। यही वजह है कि अब 'डिप बाइंग' यानी कीमत गिरने पर खरीदारी और लंबे समय तक निवेश बनाए रखने का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्रिप्टो एसेट्स में बिटकॉइन अब भी निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है और कुल निवेश में 9.2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। इसके अलावा डोजकॉइन और शीबा इनु जैसे मीम कॉइन भी पोर्टफोलियो में जगह बना रहे हैं। अब निवेशक ब्लू-चिप, मिड और स्मॉल कैप एसेट्स का संतुलित मिश्रण अपनाकर सोच-समझकर लंबी अवधि का निवेश कर रहे हैं।

किनारी बाजार बिल्डिंग गिरने के मामले में एफआईआर

यूनिक समय, आगरा। किनारी बाजार में 15 दिन पहले गिरी चार मंजिला इमारत के मामले में अब प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सराफा कारोबारी मनीष बंसल के खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

बताया गया है कि यह इमारत करीब 150 साल पुरानी थी, जिसे तोड़कर नया शोरूम बनाया जा रहा था। एडीए ने 27 अप्रैल 2024 को इस भवन को सील कर दिया था, लेकिन आरोप है कि कारोबारी ने सील तोड़कर चोरी-छिपे निर्माण कार्य शुरू करा दिया। इसी दौरान 9 अप्रैल की रात पूरी इमारत अचानक गिर गई। गनीमत रही कि हादसे के समय बाजार बंद था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि आसपास की कई दुकानों को नुकसान पहुंचा।

सील तोड़कर निर्माण कराने वाले सराफा कारोबारी पर कार्रवाई

घटना के बाद एडीए की कार्यशैली पर भी सवाल उठे थे कि सील होने के बावजूद निर्माण कैसे जारी रहा। अब एडीए के जेई भानु प्रताप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार संक्षेप

खुले गटर में गिरे बच्चे को लोगों ने बचाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। लुधियाना के समराला चौक क्षेत्र में एक मासूम बच्चा खेलते समय खुले गटर में गिर गया। गनीमत रही कि आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए रस्सी फेंककर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, गटर का ढक्कन लंबे समय से टूटा हुआ था, जिसकी शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद लोगों ने एमसीएल की लापरवाही पर नाराजगी जताई।

अन्ना हजारे की दलबदल कानून पर सख्त मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। अन्ना हजारे ने आम आदमी पार्टी के सांसदों के हालिया दलबदल पर प्रतिक्रिया देते हुए सख्त दलबदल विरोधी कानून की मांग की है। उन्होंने कहा कि नेता अक्सर निजी स्वार्थ के कारण एक पार्टी छोड़कर दूसरी में चले जाते हैं, जिससे राजनीति में अस्थिरता बढ़ती है। हजारे ने कहा कि अगर मजबूत कानून लागू होता है तो ऐसी घटनाएं रोकी जा सकती हैं। उन्होंने मतदाताओं को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जनता को सोच-समझकर सही उम्मीदवार चुनना चाहिए। आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा में जाने के बाद यह बयान आया है।

ईरान में इंटरनेट पाबंदी से रोजगार संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान में जारी इंटरनेट प्रतिबंधों के कारण लाखों लोगों की नौकरियां प्रभावित हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब 10 लाख से अधिक रोजगार खत्म हो चुके हैं और डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा है। लगभग एक करोड़ लोग स्थिर इंटरनेट पर निर्भर हैं, जिससे व्यवसाय और सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। सरकार की पाबंदियों को लेकर देश में अंदरूनी मतभेद भी सामने आ रहे हैं।

दिल्ली में हीट वेव से निपटने की तैयारी तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली में हीट वेव से निपटने की तैयारी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी व्यवस्थाएं समय पर और प्रभावी तरीके से लागू हों। योजना के तहत 30 से अधिक अस्पतालों में कूल रूम बनाए जाएंगे, 330 एम्बुलेंस को अलर्ट पर रखा जाएगा और स्कूलों में वॉटर बेल प्रणाली लागू की जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल और ओआरएस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

नेतन्याहू बोले-ट्रंप पर हमला स्तब्ध करने वाला

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेतन्याहू ने वॉशिंगटन में डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए कथित हत्या के प्रयास की घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद स्तब्ध करने वाली है और वह राहत महसूस करते हैं कि ट्रंप और उनकी पत्नी सुरक्षित हैं। नेतन्याहू ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर यूएसएसएस की तेज कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने घायल पुलिस अधिकारी के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। यह घटना व्हाइट हाउस डिनर के दौरान हुई, जहां हमलावर को समय रहते काबू कर लिया गया। जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

मन की बात में पीएम मोदी का संदेश

स्वच्छ ऊर्जा ही भारत का भविष्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें एपिसोड में देशवासियों से कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने सौर और पवन ऊर्जा को भारत के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया।

पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा सिर्फ पर्यावरण की जरूरत नहीं, बल्कि देश के सुरक्षित और टिकाऊ विकास की आधारशिला है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे बिजली बचाने और क्लीन एनर्जी अपनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने खास तौर पर बताया कि गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में पवन ऊर्जा का प्रभावी उपयोग विकास को नई दिशा दे रहा है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने गौतमबुध के विचारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बुद्ध का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया तनाव और संघर्ष से गुजर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि विदेशों में भी बुद्ध के विचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने सुभाष चंद्र बोस की जयंती से लेकर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि तक मनाए जाने वाले 'गणतंत्र पर्व' और 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस समारोह में भारतीय संगीत की झलक बढ़ती जा रही है। कार्यक्रम में

कहा, लोग बिजली बचाने और क्लीन एनर्जी अपनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं

कच्छ के रण में आने वाले फ्लेमिंगो पक्षियों का जिक्र करते हुए उन्हें 'लाखा जी के बाराती' कहा गया, जो पर्यावरण संरक्षण का सुंदर प्रतीक बन चुके हैं। यह कार्यक्रम 32 भाषाओं और 29 बोलियों में प्रसारित होता है और देश-विदेश में बड़े उत्साह से सुना जाता है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला टेकऑफ से पहले आई तकनीकी खराबी

यूनिक समय, नई दिल्ली। रविवार तड़के एक बड़ा विमान हादसा उस समय टल गया, जब ज्यूरिख जाने वाली स्विस इंटरनेशनल एयर लाइन्स की फ्लाइट में टेकऑफ से पहले तकनीकी खराबी आ गई। विमान में कुल 232 यात्री सवार थे, जिन्हें समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट एल 147 दिल्ली से उड़ान भरने के लिए तैयार थी। तभी टेकऑफ के दौरान लैंडिंग गियर के पास से धुआं उठने लगा। स्थिति को गंभीर देखते हुए पायलट ने तुरंत टेकऑफ रद्द कर दिया। इसके बाद इमरजेंसी घोषित कर दी गई और सभी यात्रियों व क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यात्रियों को बाहर निकालने के लिए इमरजेंसी स्लाइड और सीढ़ियों का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान कुछ यात्रियों को

छह लोगों को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया

हल्की चोटें आईं या असहजता महसूस हुई, जिनमें से छह लोगों को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया। राहत की बात यह रही कि सभी की हालत सामान्य बताई गई है। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया और इस घटना से एयरपोर्ट के सामान्य संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। फिलहाल, तकनीकी टीम विमान की जांच कर रही है और यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है।

गुजारा भत्ता मामले में पति पर 15 लाख रुपये का जुर्माना, हाई कोर्ट सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में पति द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए उस पर 15 लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। कोर्ट ने पाया कि याचिका तथ्यों को छिपाकर और पत्नी को परेशान करने के उद्देश्य से दायर की गई थी। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने अपने आदेश में कहा कि कानून का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

मामले के अनुसार, दंपति की शादी 18 मई 2019 को हुई थी। शादी के बाद पत्नी को नौकरी मिल गई, जबकि पति, जो पेशे से वकील है, बेरोजगार रहा। बाद में दोनों के बीच विवाद बढ़ा और पति ने इटावा की परिवार अदालत में गुजारा भत्ता मांगा, जहां उसे अंतरिम राहत भी मिली। हालांकि, पत्नी ने कोर्ट में बताया कि पति ने धोखाधड़ी से उसके नाम पर बैंक से लाखों रुपये का लोन लिया। उसने आरोप लगाया कि पति ने भूखंड खरीदने का बहाना बनाकर पहले 11.5 लाख रुपये और बाद में 13.56 लाख रुपये का कर्ज लिया, जिसे अपनी विलासिता और शराब में खर्च कर दिया। पत्नी खुद इस लोन की ईएमआई भर रही है। कोर्ट ने यह भी पाया कि पति ने अपनी आय

तथ्यों को छिपाकर और पत्नी को परेशान करने के उद्देश्य से दायर की गई थी याचिका

और पहले मिले गुजारा भत्ते के आदेश को छिपाया और गलत तथ्यों के आधार पर याचिका दायर की। इसे गंभीर दुरुपयोग मानते हुए अदालत ने याचिका खारिज कर दी और पति को छह महीने के भीतर पत्नी को 15 लाख रुपये हर्जाने के रूप में देने का आदेश दिया। साथ ही, कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि तय समय में भुगतान नहीं किया गया, तो जिला प्रशासन द्वारा इसे भू-राजस्व की तरह वसूला जाएगा। अदालत ने आरोपी की संपत्तियों की जांच के भी निर्देश दिए हैं।

बागी सांसदों पर संजय सिंह का सख्त रुख

पार्टी छोड़ने वाले सांसद पहले स्तीफा दें

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पार्टी से बगावत करने वाले सांसदों को लेकर कड़ा संदेश दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो भी सांसद पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे पहले अपने पद से इस्तीफा दें और उसके बाद जहां जाना चाहें जाएं। संजय सिंह ने कहा कि जिन सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया है, उनकी सदस्यता खत्म हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस मामले में संवैधानिक विशेषज्ञों से राय ली गई है और उपराष्ट्रपति को एक याचिका भेजी गई है, जिसमें इन सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नेताओं ने न सिर्फ पार्टी बल्कि पंजाब की जनता के साथ भी धोखा किया है। सिंह ने दोहराया कि नैतिकता के आधार पर उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए। दरअसल, राघव चंदा और अन्य नेताओं ने हाल ही में घोषणा की थी कि वे और कुछ अन्य सांसद भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक हलकों में हलचल तेज कर दी है।

पार्वती नदी में कार गिरी, युवक की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पार्वती नदी के पास राजस्थान के बारां जिले में रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस हादसे में एक युवक की डूबकर मौत हो गई। घटना कोयला क्षेत्र के सुंडा कोठड़ी के पास हुई, जहां चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कार सीधे नदी की गहराई में समा गई। हादसा होते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम, साथ ही गोताखोरों को रेस्क्यू के लिए बुलाया गया। कई घंटों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद युवक का शव नदी से बरामद किया गया। बाद में रस्सी की मदद से डूबती हुई कार को भी बाहर निकाला गया।

व्हाइट हाउस डिनर फायरिंग: सुरक्षा चूक या साजिश?

गोलीबारी के बाद ट्रंप का बड़ा बयान राष्ट्रपति बनना खतरनाक पेशा है

यूनिक समय, नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन में आयोजित व्हाइट हाउस डिनर के दौरान हुई गोलीबारी के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "राष्ट्रपति होना खतरनाक पेशा है।" इस घटना में वह बाल-बाल बच गए और उन्होंने इसे अपनी जिम्मेदारी का हिस्सा बताया।

ट्रंप ने कहा कि जब गोली चलने की आवाज आई तो शुरुआत में उन्हें लगा कि कोई ट्रे गिर गई है, लेकिन उनकी पत्नी ने तुरंत स्थिति की गंभीरता को समझ लिया। उन्होंने बताया कि दुनिया आज अधिक हिंसक होती जा रही है और प्रभावशाली लोगों को अक्सर निशाना बनाया जाता है। घटना के दौरान सुरक्षा में तैनात यूएसएसएस के जवानों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए हमलावर को काबू में कर लिया। ट्रंप ने एजेंसी की बहादुरी की सराहना की और कहा कि उनकी सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। इस फायरिंग में एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से वह सुरक्षित रहा। संदिग्ध की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जिसके पास शॉटगन, हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए। फिलहाल उसकी मंशा स्पष्ट नहीं हो पाई है। जांच एजेंसियां मामले की गहराई से जांच कर रही हैं। एफबीआई ने घटना स्थल से मिले हथियारों और सबूतों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी पर कई गंभीर आरोप लगाए जाएंगे। यह घटना 1981 में रोनाल्ड रीगन पर हुए हमले की याद भी ताजा करती है, जो इसी स्थान के पास हुआ था।

अस्पताल के निरीक्षण में कलेक्टर का सख्त संदेश: छोटा परिवार जरूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मैहर के सिविल अस्पताल में औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने जनसंख्या और परिवार नियोजन को लेकर सख्त संदेश दिया। निरीक्षण के समय मेटरनिटी वार्ड में एक महिला द्वारा पांच बच्चों को जन्म देने की जानकारी सामने आने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आज के समय में इतने अधिक बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा आसान नहीं है। उन्होंने कहा, "आज के जमाने में पांच बच्चे कौन करता है, भेड़-बकरियों की तरह पालोगे क्या?" उन्होंने छोटे परिवार को बेहतर भविष्य की नींव बताया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के स्टाफ और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए और परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने को कहा।

299 रुपये की ड्रेस के लालच में नर्स से एक लाख की ठगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुम्बई में एक निजी अस्पताल में काम करने वाली नर्स ऑनलाइन शॉपिंग स्कैम का शिकार हो गई, जहां महज 299 रुपये की ड्रेस के लालच में उससे करीब एक लाख रुपये ठग लिए गए। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है।

घटना 16 से 20 अप्रैल के बीच की है, जब नर्स ने फेसबुक पर सस्ती ड्रेस का विज्ञापन देखा। खरीदारी के दौरान ठगों ने पहले केवल ड्रेस की कीमत मांगी, लेकिन बाद में अलग-अलग शुल्क के नाम पर पैसे मांगना शुरू कर दिया। जालसाजों ने शिपिंग चार्ज, जीपीएस फीस, ट्रैकिंग शुल्क, वेरिफिकेशन और एड्रेस कन्फर्मेशन जैसे बहाने बनाकर पांच दिनों में उससे कई बार पैसे ट्रांसफर करवाए। ठगों ने यह भी भरोसा दिलाया कि डिलीवरी के बाद अधिकतर रकम वापस कर दी जाएगी।

शहर में तो नहीं बिक रहा नकली सामान

अयोध्या और दिल्ली में खुलासा होने के बाद मथुरा में भी आशंका

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी के लोग क्या नकली वस्तुओं का सेवन कर रहे हैं। जी हां, कुछ ऐसा लोगों की बातों से आभास हो रहा है। यहां लोग बताते हैं कि बाजार में कई ब्रांडेड कंपनियों के सामान बिक रहे हैं, लेकिन उनके बारे में कुछ कह नहीं सकते कि यह नकली हैं असली।

लोगों की बातों में दम लगता है कि प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में नामी ब्रांड फॉर्च्यून रिफाइंड ऑयल के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बजीरगंज स्थित एक गोदाम पर छापा मारकर 500 से अधिक पेटी डुप्लीकेट रिफाइंड ऑयल बरामद किया है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब अदानी विल्मर लिमिटेड (फॉर्च्यून कंपनी) के सेल्स मैनेजर ने बाजार में नकली प्रोडक्ट बिकने की शिकायत पुलिस से की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कोतवाली नगर क्षेत्र के बजीरगंज में स्थित गोदाम पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में पैक्ड ऑयल बरामद हुआ, जिस पर फॉर्च्यून ब्रांड की पैकेजिंग की नकल की गई थी। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि नकली तेल को असली ब्रांड की तरह पैक कर बाजार में सप्लाई किया जा रहा था, जिससे उपभोक्ताओं की सेहत के साथ भी खिलवाड़ हो रहा था। यदि धार्मिक नगरी अयोध्या में डुप्लीकेट रिफाइंड बिक्री हो रही है तो क्या मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन और बरसाना समेत अन्य क्षेत्र अछूते रह सकते हैं। कई लोगों की मानें तो मंदिरों की नगरी में रिफाइंड और देशी घी नकली बेचने की आशंका है। बाजार में दो तरह के घी बिक रहे हैं। आश्रम से जुड़े लोगों को पहचान नहीं है, उनके यहां भंडारे में नकली घी का उपयोग हो जाता है। इसी तरह से मावा और दूध समेत मिर्च मसाले की भी खपत हो जाती है। वहीं कुछ दिन पूर्व दिल्ली पुलिस ने नकली खाद्य उत्पादों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली सामान बरामद किया है। पुलिस ने करीब एक लाख नकली पाउच और 50,000 नकली उत्पाद जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से नकली उत्पाद बनाकर बाजार में सप्लाई कर रहा था, जिससे आम लोगों की सेहत को गंभीर खतरा पैदा हो सकता था, नकली पाउच और कॉफी पैक असली जैसे दिखते थे, जिससे उपभोक्ताओं के लिए पहचान करना मुश्किल था जांच में यह भी सामने आया है कि इन उत्पादों को सस्ते दामों पर बेचकर बड़ा मुनाफा कमाया जा रहा था। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि इस गिरोह में कौन-कौन शामिल हैं और नकली माल कहां-कहां सप्लाई किया जा रहा था। कहने का मतलब है कि मथुरा में नकली सामान की बिक्री होने की आशंका है, यदि यहां पर छापेमारी की जाए तो नकली सामान मिल सकता है।

व्यापारी से लूट करने वाले दो युवक गिरफ्तार

व्यापारी से लूट करने वाले दो लुटेरे पुलिस की गिरफ्त में।

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा क्षेत्र में खाद बीज विक्रेता से 50 हजार रुपये की लूट और गाड़ी में डालकर ले जाने का प्रयास करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने सफेद रंग की कार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनसे 13,350 रुपये की नकदी भी बरामद की है।गौरतलब है कि खाद बीज की दुकान पर बैठे दुकानदार गौरव कुमार को शनिवार को सफेद रंग की कार सवारों ने दुकान से बुलाकर जबरन गाड़ी में बिठा कर उनसे 50 हजार रुपये लूट लिए थे। कार से छूटने के बाद व्यापारी ने इस बारे में अन्य व्यापारियों को बताया था। इस मामले में व्यापारियों के दबाव के बाद मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्तों की तलाश की। पुलिस ने नैनो पट्टी जाने वाले रास्ते पर घेरा बंदी करके सफेद रंग की कार से अभियुक्त बंटू उर्फ पुष्पेंद्र सिंह निवासी गांव मल्हू व राजू उर्फ राजकुमार निवासी स्योबा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को इनके कब्जे से लूटे गए 13350 रुपये और एक तमंचा 315 बोर कारतूसों के अलावा घटना में प्रयुक्त कार बरामद हुई है।

लूटे गए 13350 रुपये, तमंचा कारतूस व कार बरामद

श्यामसुंदर धानुका में आयोजित हुआ लिटिल मास्टरशेफ

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की नीतियों पर आधारित क्रियाकलाप आधारित अध्ययन को दृष्टिगत रखते हुए श्याम सुंदर धानुका विद्यालय में प्री प्राइमरी एवं प्राइमरी विंग के छात्र-छात्राओं के अग्नि रहित फ्लेमलेस कुकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य केके तिवारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्री प्राइमरी से लेकर कक्षा 5 तक के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। छात्र-छात्राओं ने अनेक अनेक प्रकार के सलाद, फ्रूट चाट, फ्रूट सलाद विभिन्न प्रकार के फलों से बने हुए चाट पापड़ी, दही चाट, छोले चाट, अंकुरित चाट, पान एवं झाल मुरी बनाकर पाक विद्या में अपनी दक्षता प्रदर्शित की। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि राधिका गोस्वामी एवं शिवेंद्र गौतम थे।

विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल गोस्वामी प्रबंधक पद्मनाभ गोस्वामी एवं सोहन झा आदि ने बच्चों को आशीर्वाद दिया।

बूंद-बूंद को तरस रही आठ हजार की आबादी

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। विधानसभा छाता क्षेत्र के ग्राम कमई पानी की समस्या से जूझ रहा है। प्यास बुझाने के लिए टैंकरों से गांव में पानी सप्लाई हो रही है।

भीषण गर्मी की शुरुआत के साथ ही गांव में पेयजल का संकट गहरा गया है। करीब 8,000 की आबादी वाला यह कमई गांव आज बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज है। सरकारी दावे कागजों तक सिमट कर रह गए हैं और ग्रामीण अपनी प्यास बुझाने के लिए निजी टैंकरों के

टैंकरों के भरोसे बुझ रही गांव कमई की प्यास

भरोसे हैं।

नल सूखे, हैंडपंपों ने छोड़ा साथ गांव में बने सरकारी जल स्त्रोत और हैंडपंप जवाब दे चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बाद भी स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। वर्तमान में गांव की पूरी सप्लाई केवल इक्का-दुक्का टैंकरों पर टिकी है। महिलाएं एक किलोमीटर दूर से सिर पर मटकी भर पानी लेकर आती हैं।

ग्रामीणों को 500 से 800 रुपये खर्च कर निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। गरीब परिवारों के लिए यह आर्थिक बोझ असहनीय होता जा रहा है। पानी आते ही टैंकरों के पास लंबी कतारें और अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। विष्णु जादौन ने बताया कि गांव की आबादी 8 हजार रुपये है, लेकिन पीने के पानी की व्यवस्था शून्य है। महिलाएं चिलचिलाती धूप में दूर-दराज के खेतों से पानी लाने को मजबूर हैं। अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो हम आंदोलन करेंगे।

गांव के युवाओं और बुजुर्गों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि किसी भी जनप्रतिनिधि के द्वारा आज तक इस गांव के विकास के बारे में नहीं सोचा है वर्षों से आज तक पानी की एक बूंद नहीं पहुंची। गांव में सफेद हाथी बनी हुई एक टंकी खड़ी हुई है।

मथुरा में जायंट्स मीट

प्रशंसा नहीं, कर्म ही सफलता की पहचान: एसपी चतुर्वेदी

यूनिक समय, मथुरा। जैंत-रामताल रोड स्थित चंद्रिका ग्रीन रिसॉर्ट में जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा के आतिथ्य में जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन-5 की द्वितीय काउंसिल मीट आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व उपाध्यक्ष एसपी चतुर्वेदी, केंद्रीय समिति सदस्यों मुकेश अग्रवाल व राजेश बजाज, फेडरेशन-5 अध्यक्ष विपिन मित्तल तथा आतिथ्यकर्ता अध्यक्ष प्रदीप फौजदार ने गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

एसपी चतुर्वेदी ने कहा कि प्रशंसा सफलता का प्रतीक नहीं होती। मुकेश अग्रवाल ने डीओए से मासिक प्रगति रिपोर्ट भेजने का आग्रह किया। जबकि राजेश बजाज ने मेंबरशिप ग्रोथ बढ़ाकर संख्या तीन हजार तक पहुंचाने और संवाद मजबूत करने पर जोर दिया। इस अवसर पर पदमा भार्गव, पूर्व अध्यक्ष कृष्णअवतार गुप्ता, उमेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, डॉ. शिवराज सिंह ने विचार रखे। कार्यक्रम में अपर्णा सिंह, नीतू पुरवार, स्मिता यादव, विवेक चौधरी, सोनल अग्रवाल सहित कई पदाधिकारियों को एक्सीलेंसी अवॉर्ड प्रदान किए गए।

स्वागत प्रथम महिला मिताली फौजदार, डीओए मनमोहन गुप्ता, डीओपी मनीष अरोड़ा व दिनेश अग्रवाल ने किया। जुगलकिशोर अग्रवाल, मोहनबाबू आर्य, पीयूष जैन, अनिल बाजपेई, लवकुमार आर्य, सुभाष रस्तोगी, विमलकुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संचालन नितिन वर्मा ने किया तथा अंत में विपिन मित्तल ने आभार व्यक्त किया।

महिला अधिकारों को लेकर विपक्ष पर मंत्री का हमला

गीता शोध संस्थान में प्रेस वार्ता करते प्रभारी मंत्री एवं बेसिक शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। प्रभारी मंत्री एवं बेसिक शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में प्रेस वार्ता करते हुए संसद में हाल ही में हुए घटनाक्रम को महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि 16 और 17 अप्रैल 2026 को महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों का रवैया देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात जैसा रहा। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी कोई उपकार नहीं बल्कि उनका अधिकार है। इसके बावजूद विपक्ष ने इस दिशा में बाधा डालने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की सोच महिला विरोधी है, जो संसद में उनके व्यवहार से साफ दिखाई दी। प्रेस वार्ता में मंत्री ने बताया कि संसद में संविधान संशोधन, परिसीमन और अन्य विधेयकों पर चर्चा देश के लोकतांत्रिक भविष्य से जुड़ी थी।

लेकिन विपक्ष ने इन मुद्दों को आगे बढ़ाने के बजाय राजनीतिक कारणों से विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह केवल विधेयकों का विरोध नहीं, बल्कि करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को ठेस पहुंचाने जैसा है। मंत्री ने अमित शाह के बयान का हवाला देते हुए कहा कि परिसीमन प्रक्रिया से किसी भी राज्य को नुकसान नहीं होगा। इसके विपरीत, यह जनसंख्या के आधार पर संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा दक्षिण भारत को नुकसान होने की बात करना भ्रामक प्रचार है। संदीप सिंह ने कहा कि वर्षों से महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व

वृंदावन में प्रेस वार्ता संसद में विरोध को बताया महिलाओं के साथ विश्वासघात हुआ

नहीं मिल पाया, क्योंकि विपक्षी दल इस मुद्दे को टालते रहे। पंचायत स्तर पर महिलाओं को आरक्षण देना आसान था, लेकिन बड़े स्तर पर उन्होंने हमेशा देरी की। अब जब महिलाओं को अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं तो विपक्ष बाधाएं खड़ी कर रहा है।

इस दौरान राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विधायक मेघश्याम सिंह, एमएलसी ठाकुर ओम प्रकाश और महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।